संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 90
पृष्ठ 8
बुधवार
18 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कुछ ही घंटों में आसानी....

विचार- मोदी का भाषण संविधान....

खेल- स्मृति मांाना ओडीबआई ...

योगी सरकार ने पेश किया 17,865 करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 17 हजार 865 करोड़ रुपये से अधिक का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया गया। राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के बाद सदन में वित्त व संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वित्त वर्ष 2024–25 का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया। सीएम योगी ने विधानसभा चर्चा में के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने रोजगार को लेकर कहा कि युवाओं के हित के लिए सरकार काम कर रही है। पेपर लीक के लिए हमने अध्यादेश पारित किया। सरकारी नौकरियों में युवाओं को ईमानदारी पारदर्शिता के साथ आरक्षण के नियमों के साथ नौकरियां मिले इसके कार्य हो रहे है। विपक्ष द्वारा आंकड़े तथ्य सत्य नही है,बेसिक विभाग के 69 हजार शिक्षकों को नियुक्ति

पत्र 4 वर्ष पहले दिए जा चुके हैं वो अध्यापन भी कर रहे है। बीएड बीटीसी के अभ्यर्थी भी आज पढा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने जिन सेवाओं को समाप्त किया था। उनको भी सरकार ने एक मानदेय देकर रखा हुआ है। जो आज भी

केंद्रीय योजनाओं के साथ ही आकस्मिक खर्चो का भी प्रस्ताव शामिल

विद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने आयोग द्वारा चयन प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। शिक्षा के समग्र चयन के लिए एक शिक्षा चयन बोर्ड का गठन किया है,हमने शिक्षा विभाग में 1 लाख 60 हजार की भर्ती की जा चुकी है,ये वो भर्तियां है जो पिछली सरकार ने रुकी हुई थी। पुलिस बल में भी 1 लाख हजार भर्तियां की हुई है। अभी भी 60 हजार से ज्यादा भर्ती जारी है। अलग अलग विभागों में अब तक 7 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। 69 हजार शिक्षकों की नियुक्ति में 32 हजार पिछड़ी जाति के नियुक्त हुए हैं। 14 हजार से ज्यादा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थी भी चयनित हुए हैं। सामान्य वर्ग के 32 हजार सीट थे जबकि उनकी नियुक्ति 20 हजार हुई,आरक्षण के नियमो भरपूर पालन किया गया विपक्ष के आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले का दौर कोई नही भुला जब 86 एसडीएम के पद पर 56 एक ही जाति के लोगो को भर दिया गया। वही प्रयागराज है जहां पब्लिक सर्विस कमीशन में उसे अध्यक्ष बना दिया गया था जिसकी डिग्री फर्जी थी। विपक्ष द्वारा मुद्दा तथ्यहीन था।सरकार की नीति नियत साफ है। इसी का परिणाम है कि 12 लाख से ज्यादा जवानों को स्किल कुशल किया गया। विपक्ष की सांसद फिलिस्तीनी बैग लेकर घूम रही थीं हमने यूपी के जवानों को इजरायल में जॉब दिलवा रहे। यूपी के 5 हजार से ज्यादा नौजवान इजरायल गए गए हैं। जिन्हें डेढ़ लाख महीना मिल रहा है। हमारी सरकार निष्पक्ष तरीकी से कार्य कर रही है।

केन्द्र सरकार राजस्थान के विकास में नहीं छोडेगी कोई कोर कसर-मोदी

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार को सुशासन का प्रतीक बताते हुए भरोसा दिया है कि जब राजस्थान विकसित होगा तब भारत भी विकसित होगा और आने वाले वर्षों में और तेज गति से विकास होगा तथा केन्द्र सरका राजस्थान के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। श्री मोदी मंगलवार को यहां दादिया गांव में भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान की जनता को भाजपा सरकार को एक साल पूरे करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आज इतनी बड़ी तादाद में लोग आर्शीवाद देने आये हैं यह मेरा सौभाग्य हैं। उन्होंने कहा कि बिते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति एवं नई दिशा देने में भजनलाल सरकार एवं उनकी टीम ने बहुत परिश्रम किया हैं। यह पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों की मजबूत नींव बना हैं इसलिए आज यह उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं हैं, यह राजस्थान विकास का भी उत्सव है। उन्होंने कहा "मैं कुछ दिन पहले ही यहां निवेश सम्मेलन में आया था जहां देश और दुनिया भर के बड़े–बड़े निवेशक यहां जुटे थे और आज 45 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है जो राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा और रोजगार के अनगिनत अवसर मिलेंगे। राजस्थान के पर्यटन, किसानों एवं नौजवानों को इससे बहुत फायदा होगा।" श्री मोदी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें है और भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं उस पर ईमादारी से प्रयास करती है तथा देश के लोग कह रहे है कि भाजपा सुशासन की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना जनसमर्थन मिल रहा है कि देश ने लोकसभा में भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है जो पिछले साठ सालों में हिन्दुस्तान में ऐसा नहीं हुआ।

श्रीनगर का न्यूनतम तापमान शून्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर घाटी में बफीर्ली ठंड का कहर जारी है और राजधानी श्रीनगर का न्यूनतम तापमान मंगलवार को शून्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सोमवार देर रात श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 10 दिसंबर को दर्ज किए गए इस मौसम के सबसे ठंडे तापमान शून्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस से केवल एक डिग्री कम था, जो सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम यानी शून्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कश्मीर घाटी के अलग– अलग स्थानों पर शीत लहर जारी रहने के आसार हैं। यहां 21 दिसंबर तक मौसम आम तौर पर शुष्क रहने के आसार हैं और एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) आने का अनुमान है। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में 21–22 दिसम्बर की रात को हल्की बर्फबारी होने के आसार हैं। पर्यटन स्थल पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा और रात के तापमान में और गिरावट देखी गई, मंगलवार को शून्य से नीचे 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है। कश्मीर के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में भी न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई और सोमवार को शून्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस नीचे के मुकाबले शून्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम है।

संविधान ने उसके साथ खिलवाड़ करने वालों को दंडित किया: देवेगौड़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के वरिष्ठ नेता एच. डी. देवेगौड़ा ने देश के संविधान को बेहद सशक्त बताते हुए मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि जिसने भी संविधान के साथ खिलवाड़ किया है, संविधान ने उसे दंडित किया है। श्री देवेगौड़ा ने सदन में संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि संविधान देश के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान इतना सशक्त है कि जिसने भी संविधान के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की, संविधान ने उसे दंडित किया है। उन्होंने कहा कि इसी संविधान ने उन्हें किसान पुत्र के रूप में देश का प्रधानमंत्री बनने का अवसर दिया। उन्होंने देश को इस तरह का संविधान देने के लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव ने कहा कि हमारा संविधान सहमति का दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि संविधान में सभी तरह की समानता के साथ साथ आर्थिक समानता का भी अधिकार दिया गया है लेकिन देश में अमीर और गरीबों का अंतर बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि देश का किसान कर्ज के नीचे दबा हुआ है जबकि बड़े–बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में सरकार ने संविधान में प्रदत सभी अधिकारों का हनन किया है। माकपा के जॉन ब्रिटास ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल है। उन्होंने कहा कि इस सदन का एक सप्ताह का समय जार्ज सोरोस के नाम पर बर्बाद किया गया , यह एक तरह से करदाताओं के पैसे को बर्बाद करने के समान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करने को कहा है लेकिन वह मणिपुर को लेकर अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर संघवाद को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए 'एक देश एक चुनाव' को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाये।

भारतीय संविधान गंभीर चिंतन का परिणाम : नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय संविधान गहन चिंतन– मनन , मंथन और गंभीर विचार विमर्श का परिणाम है। श्री नड्डा ने सदन में 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष की गौरवपूर्ण यात्रा' की चर्चा फिर शुरू करते हुए कहा कि भारतीय संविधान नये देश का नहीं था, बल्कि यह पुरातन संस्कृति वाले देश का संविधान है। संविधान सभा के सदस्य इस तथ्य को भली–भांति जानते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान तमाम कठिनाइयों और मुसीबतों से निकलने की प्रेरणा देता है। संविधान में भारतीय संस्कृति के प्रतीकों की छाप है। उन्होंने कहा कि बुरे तत्व भी प्रारंभ से ही संविधान से इतर काम करने लगे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को भारत संघ में शामिल किया, लेकिन एक रियासत जम्मू–कश्मीर का जिम्मा पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लिया। भारत में जम्मू–कश्मीर के एकीकरण की प्रक्रिया में उन्होंने शेख अब्दुल्ला को शामिल किया गया। अनुच्छेद 370 संविधान पर

आघात था। जम्मू–कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया और उन्होंने श्रीनगर जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में अंतिम सांस ली। सदन के नेताद्य ने कहा कि अनुच्छेद 35 ए राष्ट्रपति आदेश के जरिए जोड़ा गया और संविधान की भावना तथा संसद की अवहेलना की गई। इसके जरिये जम्मू–कश्मीर की नागरिकता के प्रावधान तय किए गए। जम्मू–कश्मीर की महिलाओं को राज्य के बाहर शादी करने पर संपत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया गया। इसके अनुसार राज्य का नागरिक उसी को माना जाएगा जो 1944 के पहले वहां रहा करते थे। संविधान के अनुसार संसद के बने हुए कानून जम्मू–कश्मीर में लागू नहीं होते थे। अनुसूचित जाति और जनजाति के प्रावधान जम्मू–कश्मीर के लोगों को प्राप्त नहीं थे। पंचायती राज का 73वां संशोधन अधिनियम जम्मू–कश्मीर में लागू नहीं होता था। श्री नड्डा ने कहा कि विभाजन के बाद पाकिस्तान से आए लोग भारत में प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच गए, लेकिन जम्मू –कश्मीर में पंचायत का चुनाव नहीं लड़ सकते थे। जम्मू–कश्मीर में पंजाब से सफाई कर्मचारियों को लाया गया और उनको बताया गया कि जम्मू–कश्मीर की नागरिकता दी जायेगी, लेकिन वे केवल सफाई कर्मचारी ही बन सकते थे।

वीर सावरकर को भारत रत्न देना चाहिए, उद्धव ने कर दी मांग

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न देने की अपनी मांग दोहराई। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए नागपुर में मौजूद ठाकरे ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और भाजपा से सवाल किया कि वे वीर सावरकर को भारत रत्न कब प्रदान करेंगे। ''वीर सावरकर के संबंध में मैं पूछना चाहता हूं कि उन्हें भारत रत्न क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न नहीं दिया जा रहा है, आज भी वह सीएम हैं जब उनकी मांग पर विचार नहीं किया जा रहा है, तो भाजपा को वीर सावरकर पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि मैं कांग्रेस और बीजेपी दोनों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस को सावरकर को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए और बीजेपी को नेहरू को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए। हमें अतीत पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भविष्य के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लोकसभा में पेश, सपा–कांग्रेस बोली मंजूर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक का विरोध किया है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने एक साथ चुनाव कराने के लिए लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पेश किये जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल वोट देने के अधिकार पर हमला है. उन्होंने बिल को जेपीसी

के पास भेजने की मांग की है। डीएमके नेता टीआर बालू ने सरकार से ओएनओई बिलों को संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया। लोकसभा में एक साथ चुनाव कराने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक का उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने विरोध किया। कांग्रेस, टीएमसी और एसपी के बाद अब डीएमके ने भी वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का विरोध किया है. डीएमके नेता टीआर बालू ने लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक (एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक) पेश किये जाने का विरोध किया। अखिलेश यादव की ओर से समाजवादी सांसद धर्मेंद्र यादव ने बीजेपी सरकार पर तानाशाही थोपने का आरोप लगाते हुए बिल का विरोध किया. उन्होंने कहा कि यह बिल भारत की विविधता और उसके संघीय ढांचे को खत्म कर देगा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने वन नेशन वन इलेक्शन बिल का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के मूल ढांचे को चुनौती देता है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) लोकसभा में एक साथ चुनाव के लिए पेश किए गए संवैधानिक संशोधन विधेयक का समर्थन करती है।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

अतुल सुभाष मामले में बड़ी खबर, निकिता के ताऊ सुशील को राहतय इस आधार पर मिली अग्रिम जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या की आरोपी पत्नी निकिता के ताऊ सुशील सिंघानिया की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। कोर्ट ने यह राहत चार हफ्ते के लिए इस शर्त पर दी है कि वह सक्षम मजिस्ट्रेट के समक्ष 50 हजार का बेल बॉन्ड भरेंगे। साथ ही अदालत की इजाजत के बिना भारत के बाहर नहीं जाएंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की अदालत ने सुशील सिंघानिया की अग्रिम जमानत पर दिया है। इस अग्रिम जमानत अर्जी में निकिता, उसकी मां निशा और भाई अनुराग भी याची थे। लेकिन, रविवार सुबह निकिता को हरियाणा के गुरुग्राम, मां व भाई को बंगलूरू पुलिस ने चूंसी थानाक्षेत्र स्थित होटल से गिरफ्तार कर लिया। बिहार के समस्तीपुर के पूसा रोड निवासी एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद उसके भाई ने निकिता, उसकी मां निशा, भाई अनुराग व ताऊ सुशील के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जांच को जौनपुर स्थित निकिता के मायके पहुंची बंगलूरू पुलिस ने दीवार पर नोटिस चिपका तीन दिन में बंगलूरू में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। वहीं, आरोपियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में गिरफ्तारी से बचने को अग्रिम जमानत दाखिल की थी। सोमवार को दलील पेश करते हुए निकिता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष तिवारी ने बंगलूरू पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। आरोप लगाया कि बंगलूरू पुलिस ने स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए बगैर मां व भाई को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी मीडिया ट्रायल के कारण की गई है। जबकि, घर पर चस्पा नोटिस में तीन दिन में पेश होकर बयान दर्ज कराने की मोहलत दी गई थी। लेकिन, उनकी गिरफ्तारी समय से पहले कर ली गई। मीडिया ट्रायल के दबाव में पुलिस निकिता के 70 वर्षीय हृदय रोग से पीड़ित ताऊ को भी गिरफ्तार कर सकती है। वह निकिता के चार वर्षीय बेटे की देखभाल कर रहे हैं, उन पर उत्पीड़न का सामान्य आरोप है। उन्हें कर्नाटक की अदालत से विधिक उपचार पाने का अधिकार है। अगले हफ्ते से अदालत में लंबी छुट्टी होने वाली है। लिहाजा, उन्हें छह हफ्ते की अग्रिम जमानत दी जाए। शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड व अतुल के परिजनों की ओर से पेश अधिवक्ता राजीव कुमार सिंह ने अर्जी का विरोध किया। कहा कि अतुल ने सुसाइड नोट व वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से सुशील की सक्रिय भूमिका का जिक्र किया है। ट्रांजिट अग्रिम जमानत की सुनवाई के दौरान पेश अतुल के सुसाइड नोट में कोर्ट ने पाया कि आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रथम दृष्टया आरोप जौनपुर पारिवारिक न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश रीता कौशिक के खिलाफ है। जबकि, पत्नी निकिता, सास निशा और ताऊ की भूमिका अतुल के माता–पिता को फोन पर जान से मारने की धमकी देने तक सीमित है। इसी को देखते हुए निकिता के ताऊ को अग्रिम जमानत दे दी। नए आपराधिक कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह पहली ट्रांजिट अग्रिम जमानत अर्जी है। कर्नाटक में दर्ज मामले में इलाहाबाद हाइकोर्ट ने जमानत मंजूर की। सुनवाई के दौरान इसके क्षेत्राधिकार पर भी दावे प्रतिदावे हुए। लेकिन, अंततः कोर्ट ने कहा कि यह अदालत अन्य राज्य में दर्ज अपराधिक मामले में ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे सकती है। इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद सोमवार को भरण–पोषण से संबंधित मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। मामले की वादी और अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया जेल भेज दी गई है। वह अदालत में उपस्थित नहीं हो सकती है, इसलिए अधिवक्ता ने सुनवाई की अगली तिथि तय करने का अनुरोध किया। इसे अदालत ने स्वीकार कर लिया और सुनवाई की तिथि 29 जनवरी तय कर दी। परिवार न्यायालय की न्यायाधीश रीता कौशिक की अदालत में निकिता व उसके बेटे के भरण पोषण मामले की सुनवाई चल रही है। अतुल के खिलाफ निकिता की ओर से दाखिल भरण–पोषण को लेकर दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर अदालत न बैठने के कारण सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की अदालत कर रही है। जौनपुर के परिवार न्यायालय के फैसले के खिलाफ यह याचिका सितंबर में दाखिल हुई थी। 11 तारीखों पर मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। लेकिन, सुनवाई नहीं हो सकी। सोमवार को 12वीं तारीख थी, लेकिन फिर सुनवाई नहीं हो सकी।

सिटकहवा दैत्रा बीर बाबा एवं हनुमान मंदिर के वार्षिक शृंगार पर 18 तक फैसला लें डीएम

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिटकहवा दैत्रा बीर बाबा एवं हनुमान मंदिर के वार्षिक शृंगार व मेले का 20 साल से आयोजन किया जा रहा है। इसमें कोई कानूनी बाधा नहीं है तो वाराणसी के डीएम व पुलिस आयुक्त अनुमति दें। याचियों के प्रस्तुत आवेदन पर 18 दिसंबर तक फैसला लें। न्यायालय ने यह भी कि हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड ऑर्डर के आधार पर सभी पक्ष कार्य करेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी शराफ व विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने हनुमान जी एंड सिटकहवा दैत्रा बीर ब्रह्मा बाबा की याचिका पर दिया। श्री हनुमान जी और श्री सिटकहवा दैत्रा बीर ब्रह्म बाबा मंदिर गोपालपुर कोरौता वाराणसी की ओर से संजय यादव ने याचिका दाखिल की थी। वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला प्रशासन के समक्ष आवेदन पत्र दिया था। प्रशासन ने अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची के अधिवक्ता राजकुमार केशरी ने दलील दी कि यह वार्षिक मेला 20 साल से आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में इस मेले के लिए अनुमति न देना कानून व संविधान के विपरीत है।

बसपा प्रत्याशी की विवादित भूमि पर निर्माण को गिराने पहुंचा प्रशासन

प्रयागराज। फूलपुर से बसपा प्रत्याशी जितेंद्र कुमार सिंह के हनुमानगंज में जीटी रोड के पास स्थित पट्टी धीना उर्फ लालापुर में एक जमीन के टुकड़े पर निर्माण गिराने सोमवार को प्रशासन की टीम पहुंच गई। गहमागहमी के बाद शाम करीब चार बजे राजस्वकर्मी व पुलिस बिना कार्रवाई के वापस लौट गई। बसपा प्रत्याशी ने इसे राजनीतिक कार्रवाई बताया है। क्षेत्र के पट्टीधीना उर्फ लालापुर में भूमि संख्या 413 रकबा 7 बीघा दो बिस्वा राजस्व अभिलेखों में पीडब्ल्यूडी व नान जेडए के खाते में दर्ज है। इस जमीन के कुछ भाग पर फूलपुर विधानसभा उप चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहे जितेंद्र कुमार सिंह और उनके परिवार का कब्जा है। सोमवार दोपहर पीडब्ल्यूडी की शिकायत पर राजस्व कर्मी और सरायइनायत पुलिस कब्जा हटाने के लिए मौके पर पहुंच गई। जितेंद्र सिंह ने विरोध किया तो राजस्व कर्मियों ने उप जिलाधिकारी फूलपुर के जारी नोटिस का हवाला दिया और तत्काल जमीन खाली करने का निर्देश दिया। कब्जाधारकों ने जमीन को लेकर न्यायालय में वाद विचाराधीन होने का साक्ष्य प्रस्तुत किया। इसके बाद भी प्रशासन कुछ मानने को तैयार नहीं हुआ। जानकारी होने पर कई बसपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। शाम चार बजे राजस्व कर्मी और पुलिस बिना कार्रवाई के चले गई। जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। मतगणना के दौरान सत्ता पक्ष के वर्तमान विधायक से विवाद के बाद बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्हें उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश भी प्राप्त हो गया है।

हाईकोर्ट ने हेड जेल वार्डर से मुआवजा वसूली आदेश पर लगाई रोक

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर जिला जेल में महिला कैदी की खुदकुशी मामले में हेड जेल वार्डर पर मुआवजा वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही राज्य सरकार से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने अनीता रानी की याचिका पर दिया है। याची रामपुर जिला जेल में 2016 में तैनात थी। इसी दौरान गीता ने बैरक में खुदकुशी कर ली। इस मामले में याची पर 30 हजार रुपये मुआवजा लगाया गया। याची अधिवक्ता धनंजय कुमार मिश्र ने दलील दी कि एसीजेएम ने जांच में याची को कदाचार का दोषी नहीं माना। इसके बावजूद 24 अक्तूबर 2024 के आदेश से याची से वसूली का आदेश दिया गया। कोर्ट ने जिला जेल अधीक्षक के वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि 10 फरवरी नियत की।

महाकुंभ में शहर के नामी होटलों की वेबसाइट का क्लोन बनाकर बुकिंग के नाम पर ठगी

प्रयागराज। महाकुंभ में शहर के नामी होटलों की फर्जी वेबसाइट बनाकर बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी हो रही है। अपराधी नामी होटल की वेबसाइट से मिलती–जुलती नई साइट बना ले रहे हैं। ऐसा ही मामला होटल कान्हा श्याम में भी सामने आया है। होटल महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह की शिकायत पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने ठगों पर केस दर्ज किया है। हैरानी की बात है कि लगातार मामला सामने आने के बावजूद साइबर पुलिस कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही है। महाकुंभ मेले में लगभग 45 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए दूर–दराज के श्रद्धालुओं ने अभी से ही मेला क्षेत्र के टेंट हाउस व शहर के नामी होटलों में कमरा बुक करना शुरू कर दिया है। जिसे देखते हुए साइबर ठग सक्रिय हो गए हैं। साइबर सेल पुलिस में इसे लेकर लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही है। होटल महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि साइबर ठग उनके होटल की फर्जी वेबसाइट ींदीींलंउ.विजमसंससींईइक.बवउ गलत तरीके से बुकिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा है। इसमें क्यूआर कोड के माध्यम से वसूली भी की जा रही है। जिससे होटल में आने वाले अतिथियों को महाकुंभ मेले में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शिकायत पर साइबर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आयोग में ही होगी विभागीय परीक्षा–2024

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 15 से 24 फरवरी तक विभागीय परीक्षाएं–2024 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा प्रयागराज स्थित आयोग के परीक्षा भवन (भूमितल) में आयोजित की जाएगी। आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पांडेय के मुताबिक परीक्षा दो पालियों में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे व अपराह्न से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। जिन कार्मिकों को प्रवेश पत्र प्राप्त न हो पाएं, वे परीक्षा वाले दिन सुबह आठ बजे आयोग के विभागीय परीक्षाएं अनुभाग से प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति प्राप्त कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस परीक्षा में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, वन विभाग के अधिकारी, सिंचाई विभाग के अधिकारी, स्टाम्प एवं निबंधन विभाग के अधिकारी, सहकारित विभाग के अधिकारी, गन्ना विकास विभाग के अधिकारी, सेवायोजन एवं राज्य प्रशिक्षण सेवा के अधिकारी और जिला लेखा परीक्षा अधिकारी शामिल होंगे।

अंग्रेजों ने आधिकारिक रूप से कराया था छह कुम्भ

प्रयागराज। संगम की रेती पर कुम्भ मेले का महत्व प्राचीन काल से है, लेकिन इसका पहला आधिकारिक आयोजन कराने का उल्लेख ब्रिटिश हुकूमत के नाम दर्ज है। अंग्रेजों ने 1870 में आधिकारिक रूप से पहला कुम्भ मेला आयोजित किया था, इसके लिए उस समय नॉर्थ वेस्ट प्रोविंसेज (एनडब्ल्यूपी) के सचिव जेआर रैड ने मेले का सफल आयोजन कराने का आदेश जारी किया था तो उसका क्रियान्वयन तत्कालीन इलाहाबाद के कमिश्नर जे. सैमसन ने किया था। एनडब्ल्यूपी के अंतर्गत आगरा, इलाहाबाद, अवध, बनारस व मेरठ शामिल थे। जिसके सचिव की अगुवाई में वर्ष 1870 में पहला और 1882 में दूसरा कुम्भ मेला आयोजित हुआ था। बारह वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले इन दोनों कुम्भ मेला के बाद वर्ष 1894 में तीसरा, वर्ष 1906 में चौथा, वर्ष 1918 में पांचवां और वर्ष 1930 में छठवां मेला भी एनडब्ल्यूपी के आधिकारिक आदेश से कराया गया था। इस लिहाज से गुलामी के दौर के छह दशकों के बीच कुल छह कुम्भ मेला आयोजित हुआ था। हालांकि वर्ष 1942 में भी मेला आयोजित हुआ था, लेकिन उसके लिए एनडब्ल्यूपी की ओर से आदेश जारी नहीं हुआ था। इसकी बड़ी वजह यह थी कि उस समय पूरे देश में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन व्यापक रूप से हो रहा था। क्षेत्रीय अभिलेखागार के प्राविधिक सहायक राकेश कुमार वर्मा बताते हैं कि अंग्रेजों के नाम अधिकृत रूप से छह कुम्भ मेला कराने का रिकॉर्ड दस्तावेज में उल्लिखित है। अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन से इतना भयभीत हो गए थे कि शासन ने मेला नहीं कराया और ना ही कोई सुविधा उपलब्ध कराई थी। इसके बावजूद संगम की रेती पर लाखों लोग पुण्य की डुबकी लगाने पहुंचे थे।

इग्नू: जनवरी सत्र के लिए 31 जनवरी तक लें प्रवेश

प्रयागराज। इग्नू (इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन विश्वविद्यालय) के इलाहाबाद डिग्री कॉलेज अध्ययन केंद्र में जनवरी सत्र के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इच्छुक छात्र–छात्राएं 31 जनवरी तक ऑनलाइन मोड में प्रवेश ले सकते हैं। एडीसी अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि स्नातक (बीए, बीकॉम) और परास्नातक के (एमए एमकाम), डिप्लोमा और सार्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश प्रारंभ है। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार पाठ्यक्रम प्रवेश ले सकता है। प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि पुराने विद्यार्थियों का नामांकन भी शुरू हो गया है। संबंधित विद्यार्थी 31 जनवरी तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कर लें। प्रवेश इग्नू के ऑलाइन पोर्टल पर होगा।

जागृति चौराहा मानक के अनुरूप बनाने की गुहार

प्रयागराज। कालिंदीपुरम के जागृति चौराहा को मानक के अनुरूप बनाने की मांग की गई है। कालिंदीपुरम जागृति समिति के अध्यक्ष जेपी तिवारी ने बताया कि निर्माणाधीन चौराहे पर दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। चौराहे से वाहनों की कतार लगी रहती है। चौराहे के मार्गों पर कहीं स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चौराहे की योजना में बदलाव करने की मांग की है। जेपी तिवारी का दावा है कि एकबार चौराहे का निर्माण पूरा होने के बाद दोबारा इसमें परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।

यूपी के 5 लाख से अधिक शिक्षकों को सहूलियत, बेसिक शिक्षा विभाग ने बढ़ाई ऑनलाइन सुविधाएं

प्रयागराज। यूपी के 5 लाख से अधिक शिक्षकों को सहूलियत मिलेगी। 14 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा संदीप सिंह ने महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और योजनाओं के लोकार्पण के साथ ही मानव संपदा पोर्टल में शुरू की गई अतिरिक्त सुविधाओं को भी लांच किया। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों के पांच लाख से अधिक शिक्षकों को मिल रही ऑनलाइन सुविधाओं को अब बढ़ा दिया गया है। 14 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा संदीप सिंह ने महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और योजनाओं के लोकार्पण के साथ ही मानव संपदा पोर्टल में शुरू की गई अतिरिक्त सुविधाओं को भी लांच किया। इसका फायदा यह होगा कि शिक्षकों को अब छोटे–छोटे काम के लिए अफसरों के चक्कर नहीं काटने होंगे। शिक्षकों को अपने जीपीएफ खाते से लोन भी ऑनलाइन मिलेगा। शिक्षक के आवेदन करने पर खंड शिक्षाधिकारी ऑनलाइन फंड की उपलब्धता के आधार पर वित्त एवं लेखाधिकारी को संस्तुत करेंगे और फिर नियत प्रक्रिया पूरी करते हुए ऑनलाइन खाते में भुगतान हो जाएगा। सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले जीपीएफ समेत अन्य सभी लाभ भी पोर्टल के माध्यम से ही दिए जाएंगे। चयन और प्रोन्नत वेतनमान महीनेवार जिस शिक्षक को मिलना होगा वह स्वतः ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से मंजूर हो जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री के हाथों सम्मानित होने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि अनुशासनिक कार्रवाई के लिए कारण बताओ नोटिस भी ऑनलाइन जारी होगा। जिस प्रकार छुट्टी स्वीकृत होने पर मैसेज आता है उसी प्रकार कार्रवाई के नोटिस की जानकारी भी एसएमएस से मिलेगी। संबंधित शिक्षक ऑनलाइन उसे चेक करेंगे और साक्ष्यों के साथ अपना जवाब पीडीएफ में बनाकर ऑनलाइन ही भेजेंगे। जवाब देने के लिए बीएसए या बीईओ कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। अनुशासनिक कार्रवाई में निलंबन से लेकर स्कूल आवंटन तक की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

बाइक की चपेट में आया साइकिल सवार घायल

भदोही। थाना क्षेत्र के सूफीनगर के पास रविवार की रात हुए सड़क हादसे में एक साइकिल सवार घायल हो गया। घायल का इलाज निजी अस्पताल में हुआ। धक्का मारने के बाद बाइक सवार भाग निकला। बताया जाता है कि बरौत जिला प्रयागराज निवासी राजकरन किसी काम से सूफीनगर आया था। साइकिल से वह वापस लौट रहा था कि उक्त स्थान पर बाइक सवार ने धक्का मार दी। बाइक की चपेट में आते ही वह गिरकर घायल हो गया। घायल का उपचार निजी अस्पताल में कराया गया।

महाकुम्भ तक तैयार नहीं हो पाएगी एसआरएन में पानी की टंकी

प्रयागराज। महाकुम्भ के तहत एसआरएन अस्पताल में बनाई जा रही नई पानी टंकी का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। जबकि मेला शुरू होने में एक माह से कम बचा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की से मरीजों व तीमारदारों की सुविधा के लिए नई पानी टंकी बनाने का कार्य जनवरी 2024 में शुरू हुआ था। कार्यदायी संस्था की ओर से पानी टंकी का कार्य 30 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित था। लेकिन अभी पानी टंकी को शुरू होने में लगभग एक माह से अधिक समय लगेगा। उप्र प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन की ओर से 348.50 लाख की लागत से बनने वाली पाटी टंकी में अभी पोताई का कार्य चल रहा है। पानी टंकी के साथ सबमर्सिबल पंप, नलकूप की बोरिंग व आरओ वाटर का भी कार्य अभी अधूरा है।

मोबाइल वैन से पासपोर्ट शिविर का शुभारंभ

प्रयागराज। प्रधान डाकघर से सोमवार को मोबाइल वैन सुविधा के जरिए पासपोर्ट शिविर की शुरुआत की गई। शुभारंभ रीजनल पासपोर्ट अधिकारी शुभम सिंह एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर प्रयागराज अभी जैन ने किया। बताया गया है कि 16 से 18 दिसंबर तक पासपोर्ट मोबाइल वैन प्रधान डाकघर में स्थित पासपोर्ट कार्यालय पर मौजूद होगी। हर दिन 40 पासपोर्ट आवेदकों को मोबाइल वैन के जरिए आवश्यक दस्तावेज की ऑनलाइन चेकिंग और बायोमैट्रिक समेत अन्य प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। जमीनी स्तर पर ये प्रयोग सफल रहा तो प्रयागराज में नियमित तौर पर हर माह ऐसे ही मोबाइल वैन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सहायक निदेशक कार्यालय पोस्टमास्टर जनरल प्रयागराज मासूम रजा राशिदी, राजेश कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

अपनी तस्वीर लगाकर यादगार बनाएं महाकुम्भ

प्रयागराज। महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के लिए एआई युक्त चौटबॉट आपको तमाम सुविधाएं देगा। इस पर मेला क्षेत्र की विशेषताओं को तो जान ही सकते हैं। 11 भाषाओं में संवाद भी कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने तस्वीर महाकुम्भ चित्रों के साथ भी जारी कर सकते हैं। इसके लिए लिंक ीजजचेरूध्ध्ंीजिइवज.नउइी.नच.हवअ.पद पर जाना होगा। जिसके बाद आपका मोबाइल नंबर मांगेगा, जिसे रजिस्टर करते ही ओटीपी आएगा। ओटीपी डालते ही आपका मोबाइल रजिस्टर हो जाएगा और एआई चौटबॉट की सुविधाओं का आप लाभ उठा सकते हैं। आपसे कुम्भ यादों को साझा करने का विकल्प पूछेगा, इस पर क्लिक करते ही फोटो लेने के लिए विकल्प आएगा। फोटो चुनते ही महाकुम्भ की तस्वीर के साथ आपकी फोटो आ जाएगी। यह भी सुविधाएं हैं इस पर होम पेज पर महाकुम्भ के बारे में, आकर्षण, यात्रा एवं आवास, टूर पैकेज के आइकन खुल जाएंगे। महाकुम्भ के बारे में आइकन पर क्लिक करते ही महाकुम्भ 2025, महत्व, कल्पवास, शंकराचार्य, अखाड़े, शाही स्नान, साधु संत जैसे विकल्प आएंगे। महाकुम्भ 2025 पर क्लिक करते ही महाकुम्भ के बारे में कुछ लिखा आएगा और ऊपर की ओर स्पीकर बना होगा, इस पर क्लिक करते ही उसे पढ़कर भी सुनाया जाएगा। अगर अधिक पढ़ने में सक्षम नहीं है तो उसकी मदद हो जाएगी। वहीं यह भी कहा जाएगा कि आप लिखकर या बोलकर अपनी समस्या पूछ सकते हैं, जिसका समाधान होगा। ऐसे ही शंकराचार्य विकल्प पर क्लिक करते ही आदि शंकराचार्य और इसके बारे में पूरी जानकारी होगी। अलग–अलग विकल्प यहां पर दिया जाएगा। टूर पैकेज पर क्लिक करने के बाद योग मेडिटेशन टूर, अखाड़ा कैंप टूर जैसे विकल्प होंगे। अखाड़ा कैंप टूर विकल्प पर क्लिक करते ही पांच घंटे और पांच प्रतिभागियों के जीएसटी सहित 10 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। इसके लिए बुकिंग करने पर पेज पर दिए गए लिंक पर क्लिक करना होगा।

अलोपशंकरी मंदिर के दूसरे द्वार का निर्माण अटका

प्रयागराज। अलोपशंकरी मंदिर के जीर्णोद्धार का काम लगभग पूरा हो गया, लेकिन एक और द्वार नहीं बनाया जा सका। मंदिर के पीछे नया द्वार बनाने के लिए कई मकानों को तोड़ना पड़ेगा। मंदिर परिसर के अंदर मकान तोड़े नहीं जा सके तो दूसरे द्वार का निर्माण रोक दिया गया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने मंदिर परिसर के भीतर अवैध निर्माण तोड़ना शुरू किया तो इसमें रहने वाले मंडलायुक्त के कोर्ट की शरण में चले गए। मंडलायुक्त कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। इसी बीच पता चला कि मंदिर परिसर के जिस हिस्से में तोड़ने के लिए मकान चिह्नित किए गए हैं, वह हिस्सा छावनी–सैन्य भूमि पर बने हैं। अंततः यह प्रकरण रक्षा संपदा कार्यालय को भेज दिया गया। फिलहाल छावनी–सैन्य भूमि पर बने मकानों के खिलाफ अभीतक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मंदिर का जीर्णोद्धार करा रहे उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक राजेश शर्मा ने बताया कि मंदिर के पीछे अतिक्रमण हटने के बाद ही नया द्वार बनाने का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा। मकानों की वजह से मंदिर के पीछे द्वार का निर्माण रोक दिया गया है।

महिला चिल्लाती रही गाड़ी में करते रहे तोड़फोड़, वीडियो वायरल

प्रयागराज। बाईका बाग मोहल्ले में एक कार में तोड़फोड़ करने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कार में तोड़फोड़ करने वाले युवक की गुंडई दिख रही है। उसकी इस हरकत पर कार में बैठी महिला चिल्ला रही है। दबंगई देखकर राहगीरों ने भी दूरी बना ली थी। हालांकि इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस से शिकायत नहीं की गई है। कीडगंज पुलिस का कहना है कि कोई शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि ये मामला रविवार रात का है। एक कार से कुछ लोग कहीं जा रहे थे। रोडरेज के चक्कर में विवाद बढ़ गया। इस दौरान एक युवक डंडा लेकर आता है। उसके बड़े–बड़े बाल हैं। गेट के पास वह गाड़ी पर डंडा बरसाने लगता है। गाड़ी के अंदर बैठी महिला चिल्लाती है, लेकिन किसी ने बीच बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटाई। इसके बाद एक और युवक महिला के साथ पहुंचता है। गाड़ी का दरवाजा खोलकर देखते हैं। तभी डंडा लिए हुए युवक गाड़ी के आगे फ्रंट पर डंडे से तोड़फोड़ करने लगता है। इस बीच किसी ने उनकी हरकतों को मोबाइल में कैद कर लिया। करीब 30 सेकेंड के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। चर्चा यह भी रही कि वहां पर नशे में धुत महिला व पुरुषों ने हंगामा किया था,

न्यूनतम तापमान में लगातार हो रही गिरावट, जल्द तेवर दिखाएगी सर्दी

-जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

मथुरा। जनपद में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है, ऐसी स्थिति में सर्द हवाओं के चलने के कारण ठंड का प्रकोप और भी बढने की सम्भवना बनी रहती है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ठंड, पाला, घनें कोहरे से बचाव की तैयारी के लिये एडवाइजरी जारी की है। रात्रि में बंद कमरे में परिवार के साथ अंगीठी जलाकर न सोये। बंद कमरें में अंगीठी जलानें से जहरीली गैस बननें तथा दुर्घटना हाने का खतरा बना रहता है। बच्चो को जलते हुये अलाव के पास अकेला न छोडे व आग को पानी डालकर अवष्य बुझायें। घर में पानी गर्म करतें समय भी बच्चो का विशेष ध्यान रखें। कोहरे में वाहन तेजी से ना चलायें। ठंड, पाला और घने कोहरे से बचाव के लिए पर्याप्त सर्दियों के कपड़े स्टॉक करें। कपड़ों की कई परतें अधिक सहायक होती हैं। बच्चों को अच्छी तरह ऊनी कपडों से ढक कर रखें एवं बुजुर्गो पर विशेष ध्यान दें। भारी कपड़ों की एक परत के बजाय ढीले ढाले, हल्के वायुरोधी गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें। टाइट कपड़े ब्लड सर्कुलेशन को कम करते हैं। ठंड से बचाव के लिये जनपद में विभिन्न स्थानो पर तहसील, नगर पालिका, नगर पंचायत के द्वारा दैनिक रूप से जलाये जा रहे अलाव का सहारा लिया जा सकता हैं। जिसका जिला व् तहसील स्तरीय उच्चाधिकारियों के द्वारा निरंतर रात्रि के समय निरिक्षण किया जा रहा हैं। शीतलहर, ठंड के दृष्टिगत निराश्रित एवं गरीब व्यक्तियो से अनुरोध किया गया है कि व सुरक्षा के लिये जनपद में नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत द्वारा संचालित रैन बसेरो का सहारा लें। रेन बसेरो में आंगुतकों को समस्त मूल भूत सुविधाओं के सम्बन्ध में जिला व् तहसील स्तरीय उच्चाधिकारियों द्वारा नियमित रात्रि के समय निरिक्षण किया जा रहा हैं। कोहरे के दौरान वाहन धीरे चलाये, इंडिकेटर लाइट एवं हेलमेट का उपयोग एवं नारंगी रंग का चेतावनी स्टीकर लगायें, जिससें घनें कोहरें में वाहनों के मध्य उचित दूरी बनी रहे तथा दुर्घटना न हो पायें। शरीर के तापमान का संतुलन बनाए रखने के लिए स्वस्थ भोजन करें। पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाए। नियमित रूप से गर्म तरल पदार्थ पिएं, क्योंकि इससे सर्दी से लड़ने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी।

किसान को भी किया गया है सतर्क पशुओ को ठंड से बचाये एवं निमोनिया, डायरिया, खुरपका इत्यादि से बचाव के लिये टीकाकरण अवष्य करएं। किसानों को सलाह दी गई है ठंड, पाला से बचाव के लिए कृषि कार्य दिन में ही पूर्ण करना सुनिश्चित करें। फ्लू, बहती नाक या नाक से खून बहने जैसी विभिन्न बीमारिया ठंड में लंबे समय तक रहने के कारण बढ़ जाती हैं। ऐसे लक्षणों के लिए डॉक्टर से सलाह लें।

विश्व बंधु ने संगीत नाटक अकादमी की सामान्य परिषद का कार्यभार ग्रहण किया

प्रयागराज।विगत दिवस डॉ0योगेन्द्र कुमार मिश्र शविश्वबन्धुश ने संगीत नाटक अकादमी उत्तर प्रदेश की सामान्य परिषद का कार्यभार ग्रहण किया तत्पश्चात माननीय मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश जयवीर सिंह के द्वारा ली गयी बैठक में प्रतिभाग किया।बैठक में कला–संस्कृति एवं उनसे जुड़े कलाकारों की बेहतरी के लिए विचार–विमर्श के साथ प्रयागराज में आगामी महाकुंभ–2025 के संदर्भ में विचार–विमर्श किया गया।बैठक में प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम,संस्कृति विभाग के अधीन विभिन्न निदेशालयों के अन्य अधिकारीगण तथा नवमनोनीत सदस्य सम्मिलित हुए जिनमें संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डॉ0जयन्त खोत,उपाध्यक्ष डॉ0विभा सिंह,निदेशक डॉ0शोभित नाहर सदस्यगण डॉ0ज्योति मिश्र,ललित कला अकादमी के अध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा,उपाध्यक्ष गिरीशजी,सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा,लोककला एवं जनजातीय निदेशालय के निदेशक अतुल द्विवेदी,कथक केन्द्र की अध्यक्ष डॉ0कुमकुम धर प्रमुख रहे।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के मा.मंत्री जयवीर सिंह ने अकादमियों के मा. सदस्यों का परिचय-पत्र मंत्रालय से अतिशीघ्र बनाने की घोषणा की'

'कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने मा.मंत्री जयवीर सिंह की बुलाई बैठक में किया प्रतिभाग'

प्रयागराज ससोमवार दिनांक 16 दिसंबर 2024 को मंत्रालय के सभागार में प्रयागराज के विख्यात कलाकार रवीन्द्र नाथ कुशवाहा मा.सदस्य राज्य ललित अकादमी संस्कृति विभाग उ.प्र.ने माननीय मंत्री जयवीर सिंह पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश के द्वारा ली गयी बैठक में प्रतिभाग किया और और फोटो सेशन के दौरान माननीय मंत्री जी को अपनी स्वरचित दो पुस्तकें, रोटी (कविता संग्रह) एवं चित्रकला की पुस्तक (क्रिएटिवआर्ट भाग–1) ससम्मान सप्रेम भेंट की। बैठक में कला–संस्कृति एवं उनसे जुड़े कलाकारों की बेहतरी के लिए विचार–विमर्श के साथ प्रयागराज में आगामी दिव्य एवं भव्य महाकुंभ–2025 के संदर्भ में विचार–विमर्श किया गया तत्पश्चात मंत्री जी ने घोषणा किया कि सभी अकादमियों के माननीय सदस्यों का जो संस्कृति विभाग के प्रमुख अंग हैं उनके मा.सदस्यों का संस्कृति व पर्यटन मंत्रालय उन सबका परिचय–पत्र शीघ्रातिशीघ्र जारी करेगा। बैठक में प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम,संस्कृति विभाग के अधीन विभिन्न निदेशालयों के अन्य अधिकारीगण तथा नव–मनोनीत सदस्य सम्मिलित हुए जिनमें ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ.सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र, सदस्य कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ.सुनील कुमार कुशवाहा, दुर्जन सिंह राणा व अभिनवदीप गुप्ता,संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डॉ0 जयन्त खोत,उपाध्यक्ष डॉ0 विभा सिंह, निदेशक डॉ0 शोभित नाहर, सदस्यगण डॉ.योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु , डॉ0 ज्योति मिश्रा एवं जनजातीय लोक कला निदेशालय के निदेशक अतुल द्विवेदी,कथक केन्द्र की अध्यक्ष डॉ0 कुमकुम धर एवं अन्य सभी सदस्यगण रहे। अंत में मंत्री जी ने सभी मा. सदस्यों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का महाकुंभ 2025 गिफ्ट हैम्पर प्रदान कर सम्मानित किया।

दाऊजी मंदिर के सेवा सदन का जिलाधिकारी ने किया लोकार्पण

-भागवत भवन के द्वितीय तल पर जीडीएक्स ग्रुप ने बनाए हैं आठ कमरे

-मंदिर में आने वाले यात्रियों को मिलेगा लाभः शैलेन्द्र कुमार सिंह

मथुरा। स्थानीय निवासी स्व. प्रेमवती पाण्डेय व स्व.पंडित केशव देव पांडेय की पुण्य स्मृति में दाऊजी मंदिर बारहद्वारी स्थित भागवत भवन के द्वितीय तल पर आठ कमरों का निर्माण उनकी पुत्री मालती शर्मा व जीडीएक्स ग्रुप के अध्यक्ष महेश शर्मा द्वारा कराकर सेवा सदन के रूप में दाऊजी महाराज मंदिर बलदेव को सेवार्थ समर्पित किया गया। जिसका लोकार्पण जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने शिला पट्टिका का अनावरण व फीता काटकर किया। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि दाऊजी मंदिर में आने वाले यात्रियों के लिए सुविधा का ध्यान में रखते हुए कमरों का निर्माण कराया गया है, जिसका लाभ आने वाले तीर्थ यात्रियों को मिलेगा। बलभद्र पीठाधीश्वर आचार्य विष्णु महाराज ने कहा कि धर्मशालाएं सभी वर्गों के काम आती हैं। धर्मशाला का निर्माण एक पुण्य का कार्य है। भागवत भवन पर महेश शर्मा द्वारा कराए गए नवीन 8 कक्षों के निर्माण होने से लोगों को लाभ मिलेगा।

समाज सेविका मालती शर्मा ने कहा कि मंदिर में दर्शनार्थियों की दिनों दिन संख्या बढ़ती जा रहीं है लेकिन उनके ठहरने की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसको देखते हुए हमने यहां यात्रियों के लिए एक धर्मशाला बनाने की सोची और अपने माता पिता की स्मृति में आधुनिक सुसुविधा के अनुकूल निर्माण करा कर दाऊजी महाराज मन्दिर को कमरों को समर्पित कर दिया हैं ,जिससे लोग लाभान्वित हो सकें। जीडीएक्स ग्रुप के अध्यक्ष महेश शर्मा ने कहा कि श्रद्धालुओं को लाभ पहुंचाने के लिए अपने निजी उपार्जित धन से कमरों का निर्माण कराया गया है। अनुराग शर्मा व हर्षवर्धन शर्मा ने संयुक्त रूप से श्री दाऊजी महाराज को दिव्य श्रृंगार पोषक धारण करा कर ठाकुर जी की आरती की। इस अवसर पर निहारिका शर्मा, पूर्व चेयरमैन कमल पांडेय, गणेश पाण्डेय, सतेंद्र पाण्डेय, शैलेन्द्र गुप्ता, हेमंत पाण्डेय, राहुल पाण्डेय, शिवम् पांडेय, आदि उपस्थित रहे।

एलडीए अधिकारियों की दुषित कार्यशैली के चलते बेलगाम हुआ अवैध निर्माण

सीलिंग में उत्तर प्रदेश नगर योजना विकास अधिनियम 1973 का खुला उल्लंघन

लखनऊ, संवाददाता। सुबह की राजधानी में अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण के द्वारा उत्तर प्रदेश नगर योजना विकास अधिनियम 1973 की धाराओं के तहत कार्यवाही के नाम पर प्रवर्तन क्षेत्र में तैनात अवर व सहायक अभियंता के साथ ही जोनल अधिकारी अवैध निर्माण के नाम पर निर्माणकर्ता का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न करके दोहन कर प्राकृतिक न्याय की खुलेआम हत्या कर देते हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण के द्वारा उत्तर प्रदेश नगर योजना विकास अधिनियम 1973 की धाराओं के तहत नियम विरुद्ध निर्माणों पर कार्यवाही के नाम पर प्रवर्तन जोन क्षेत्रों में तैनात अवर अभियंता व सहायक अभियंता तथा जोनल अधिकारी निर्माणकर्ताओं से दूरभाष संधि करके अवैध निर्माण करवाने में लिप्त उक्त लोगों के द्वारा प्राधिकरण विहित प्राधिकारी न्यायालय में विचाराधीन वाद की पूर्ण जानकारी न देकर के अवैध निर्माण को पूर्ण करवा देते हैं। विहित प्राधिकारी के द्वारा प्रवर्तन में तैनात अवैध निर्माण के संरक्षणदाता अवर व सहायक अभियंता तथा जोनल अधिकारियों से कोई भी व्याख्या न लेकर निर्माणकर्ता को अनवरत अदालत के चक्कर लगवाकर प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन क्षेत्रों में तैनात अवर व सहायक तथा जोनल अभियंताओं से कोई प्रगति व्याख्या नहीं मांगी जाती है, और वर्षों बाद सीलिंग व ध्वस्ती के पारित आदेश के बाद अवैध निर्माण के हिमायती संरक्षणदाता अवर व सहायक अभियंता के द्वारा अवर न्यायालय में अपील करने की राय देकर मामले को और लंबित करवा कर अवैध निर्माण को अध्यासित करवाकर मामले की अंत्येष्टि कर दी जाती है। ऐसे ही हजारों अवैध निर्माण के मामले मंडल आयुक्त लखनऊ मंडल तथा सचिव नगर विकास विभाग के कार्यालय में लंबित हैं। प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व प्राधिकरण अध्यक्षध्मंडलायुक्त रोशन जैकब द्वारा अवैध निर्माणों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देशों के बाद भी प्रवर्तन जोन के क्षेत्रों में तैनात अवर व सहायक अभियंता तथा जोनल अधिकारियों की कार्यशैली में कोई भी बदलाव नहीं हो रहा है और शहर के चारों ओर बड़े पैमाने पर खुलेआम अवैध निर्माण हो रहे हैं। उपाध्यक्ष द्वारा अवैध निर्माण के मामले में मांगी गई साप्ताहिक आख्या के आदेश सफेद हाथी प्रतीत हो रहे हैं।

योगी ने प्रियंका गांधी की ली चुटकी, कहा– कांग्रेस नेत्री संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर घूम रही हैं, हम यूपी के युवाओं को इजराइल भेज रहे हैं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024–25 का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया गया। इस दौरान सीएम योगी कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कल कांग्रेस की एक नेत्री संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर घूम रही थी, जबकि हम यूपी के नौजवानों को इजराइल भेज रहे हैं। यूपी के अबतक लगभग 5600 से अधिक युवा इजराइल गए हैं निर्माण कार्य के लिए जहां उन्हें रहने खाने की फरी व्यवस्था और डेढ़ लाख महीने की तनख्वाह मिल रही है। आप को बता दें कि आज विधान सभा में यूपी का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया गया। जिसमें 17 हजार 865 करोड़ 72 लाख रुपये है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्ताव पेश करते हुये कहा कि साल का दूसरा अनुपूरक बजट मूल बजट का 2.42 फीसदी है। मूल बजट सात लाख 36 हजार 437.71 करोड़ रुपये का था। आज पेश किये गये अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपये के नये प्रस्ताव शामिल किये गये हैं। साथ ही इसमे केंद्रीय योजनाओं में 422.56 करोड़ रुपये के क्रेंद्राश की राशि में शामिल है। वित्त मंत्री ने कहा कि अनुपूरक बजट का मकसद मूलतः विकास योजनाओं में तेजी लाने और महाकुंभ 2025 को भव्य रूप देना है। विकास सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिये अनुपूरक बजट लाना सरकार का संवैधानिक अधिकार है। उन्होने कहा कि अनुपूरक बजट में निहित धनराशि से ऊर्जा विभाग,प्राथमिक शिक्षा विभाग,पंचायती राज विभाग,सूचना विभाग,परिवार कल्याण विभाग,पशुधन विभाग और चिकित्सा विभाग समेत अन्य को उनकी जरुरत के हिसाब से बजट आंवटित किया जायेगा। गौरतलब है कि योगी सरकार इससे पहले अपने दूसरे कार्यकाल का पहला अनुपूरक बजट 30 जुलाई को लायी थी।

सदन में गूंजा महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का मुद्दा, विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे योगी के मंत्री

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र का आज यानी मंगलवार को दूसरा दिन है। विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हो गई है। दूसरे दिन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने सरकार को घेरने शुरू कर दिया। विपक्ष ने प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों और शिक्षकों की भर्ती और महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विपक्ष ने सदन में महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। कहा कि एनसीआरबी और सरकार के आंकड़ों में काफी हेर फेर हैं। सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए विचार करना चाहिए। अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आते हैं। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों और शिक्षकों की भर्ती को लेकर शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने विपक्ष के प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। सरकार की तरफ से मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के सवालों का जवाब दिया।

चारबाग रेलवे स्टेशन से बच्चे को किया किडनैप, रेप के बाद की निर्मम हत्या

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पांच साल के बच्चे की रेप के बाद निर्मम हत्या कर दी गई। बच्चे का शव रेल यार्ड में फेंक कर आरोपी फरार हो गया था। हालांकि, जांच में जुटी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन का है। जहां रेल यार्ड में एक मासूम बच्चे का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि ये बच्चा अपनी मां के साथ राजस्थान से लखनऊ आया था। चारबाग रेलवे स्टेशन पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बच्चे का अपहरण कर लिया गया। जिसके बाद आरोपी ने रेप जैसे जघन्य अपराध को अंजाम दिया। फिर बच्चे की निर्मम हत्या कर उसके शव को यार्ड में फेंक कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस का कहना है कि बच्चे की मां को राजस्थान से लखनऊ फिर प्रतापगढ़ जाना था। वह चारबाग रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल में गाड़ी का इंतजार कर रही थी। इस दैरान वहां मौजूद इब्राहिम नामक शख्स ने बच्चे से दोस्ती बढ़ाकर उसके साथ खाना खाया।

गुमशुदगी सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट सं. BG 1 -265 जिसका क्षेत्र 150 वर्ग मी. कलिंदीपुरम आवास योजना, सेक्टर गोवर्धन, प्रयागराज का मूल आवंटन पत्र दि. 18/07/1992 , परिवर्तित आवंटन पत्र 30/12/1993 के उपरांत पुनः संशोधित आवंटन पत्र दि. 18/08/1998 तथा मूल कब्जा पत्र दिनांकित 08/08/2002 नाम गोपाल जी मालवीय पुत्र गणेश लाल मालवीय के दस्तावेज वास्तव मे खोने (गुमशुदगी) के संबंध मे ।

अभिषेक जायसवाल पुत्र स्व. विशम्भर नाथ जायसवाल
पता- 1/265 कलिंदीपुरम गोवर्धन स्कीम , प्रयागराज
मो नं. 6392207722

संक्षिप्त

बढ़ा महंगाई भत्ता,रोडवेज कर्मियों की बल्ले–बल्ले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने परिवहन विभाग के कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया हैं। सरकार ने 15,843 नियमित कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा किया हैं। इसको लेकर सरकार के द्वारा दिशा निर्देश जारी कर दिया गया हैं।सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों के लिए सातवें वेतनमान के तहत महंगाई भत्ता बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर दिया है। यह आदेश नवम्बर से लागू माना जाएगा, और इससे कर्मचारियों को 38 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। महंगाई भत्ता बढ़ाने से परिवहन निगम पर 5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आएगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि यह बढ़ोतरी कर्मचारियों के उत्साह को बढ़ाएगी और इससे निगम को फायदा होगा। महंगाई भत्ता 46 से 50 प्रतिशत होने पर रिटायर होने वाले कर्मचारियों को ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा भी 20 लाख रुपये से बढ़कर 25 लाख रुपये हो जाएगी।यह महंगाई भत्ता पहले मार्च में 10 प्रतिशत बढ़ाया गया था, जिससे यह 28 प्रतिशत से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया था। अब यह 46 प्रतिशत होने से कर्मचारियों को 2000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक का लाभ मिलेगा, जबकि अधिकारियों को 6000 रुपये से लेकर 12000 रुपये तक का फायदा होगा। हालांकि, कर्मचारियों को एरियर का लाभ अभी नहीं मिलेगा। यह आदेश प्रमुख सचिव परिवहन एल. वेकटेश्वर लू ने कल जारी किया है।

विकसित भारत के संकल्प को नई दिशा देगा एक देश, एक चुनाव –केशव

लखनऊ, संवाददाता। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि एक देश, एक चुनाव का निर्णय न केवल समय और संसाधनों की बचत करेगा, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को भी नई दिशा देगा।उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक देश, एक चुनाव, एक मतदाता सूचीश का दूरदर्शी निर्णय भारत के लोकतंत्र को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाएगा। लोकसभा में एक देश एक चुनाव का बिल पेश हुआ।

छात्राओं से छेड़छाड़ व मारपीट के आरोपी चार छात्र निलंबित, मांगा गया लिखित जवाब

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं के साथ मारपीट और छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देने वाले चार आरोपी छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। इन सभी का छात्रावास आवंटन निरस्त करते हुए इनसे समस्त छात्रोचित सुविधाएं छीन ली गई हैं। इसके साथ इनका विवि के दोनों परिसरों में आना जाना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। लविवि के मुख्य परिसर के चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने मंगलवार इन छात्रों के निलंबन का आदेश जारी कर जानकारी दी। मालूम हो कि जानकीपुरम स्थित न्यू कैंपस में 7 दिसम्बर को देर शाम नशे में धुत युवकों ने लावण्या छात्रावास में रहने वाली बीटेक की छात्राओं के साथ मारपीट की थी। इस पर एक छात्र ने बीच बचाव किया तो उसकी भी पिटाई कर दी गई थी। जब तक घटना विश्वविद्यालय प्रशासन को पता चलती आरोपी छात्र विश्वविद्यालय से भाग गए थे। इस पर पीड़ित छात्राओं ने कुलानुशासक से लिखित शिकायत की थी जिसमें रैगिंग का जिक्र भी किया गया था। अब करीब आठ दिनों बाद प्राक्टोरियल बोर्ड ने कार्रवाई करते हुए सभी को निलंबित कर दिया है। कुलानुशासक कार्यालय की ओर से जारी पत्र में आरोपी छात्रों को लिखित अथवा स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। ऐसा न करने पर माना जाएगा कि उन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है। जिन छात्रों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है उसमें से तीन छात्र अमन यादव, प्रशांत यादव व किशन सिंह बीफार्मा कोर्स के विद्यार्थी हैं। वहीं, एक अन्य छात्र अमरेंद्र सिंह एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स का विद्यार्थी है।

फूल विक्रेता की पत्नी ने फंदा लगाकर दी जान, कारण स्पष्ट नहीं, दुपट्टा के सहारे लटकता मिला शव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के वजीरगंज इलाके में एक फूल विक्रेता की पत्नी ने गले में फंदा लगाकर जान दे दी। उन्होंने आत्महत्या क्यों की इस बात का पता नहीं चल सका है। वजीरगंज ताजी खाना मशकगंज के रहने वाले फूल विक्रेता और साड़ी दुकान कर्मचारी अरुण सैनी परिवार संग रहते हैं। मंगलवार की सुबह अरुण की पत्नी स्वाति (33) सोकर उठीं और बेटी अनि को तैयार किया। इसके बाद अरुण बेटी को स्कूल छोड़ने चले गए। वहां से वह बहन के घर बैग लेने के लिए चले गए। इस बीच अरुण की भाभी जब स्वाति के कमरे में पहुंचीं तो उनको पंखे में दुपट्टे के सहारे लटकता देखा। देवरानी का शव

देख उन्होंने शोर मचा दिया। शोर होते ही लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची वजीरगंज पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर वजीरगंज दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि स्वाति ने आत्महत्या क्यों की इस बात का पता नहीं चल सका है। स्वाति का मायका उन्नाव के पुरवा इलाके में हैं और उनकी 2016 में शादी हुई थी।

गमछे से लटकता मिला अधेड़ का शव, ग्रामीणों ने जताई हत्या की आशंका

गोसाईगंज, लखनऊ, संवाददाता।राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज इलाके के बरगदहा मे मंगलवार सुबह करीब दस बजे गांव के बाहर बांस कोठी में गमछे से अधेड़ का शव लटकता मिला। सूचना पाकर पुलिस व गांव के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान उसी गांव के रहने वाले सुरेश रावत (55) के रूप में की। पुलिस की माने तो सुरेश ने गले में फंदा लगाकर जान दी है। वहीं ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक पीएम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट होगी। मामले की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय.....

जीवनदायी उपचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर कहते हैं कि बुरा लगता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख लोगों की मौत हुई । हर साल कोई डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले ज्यादातर युवा व परिवार के कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से परिवार गरीबी के दलदल में जा धंसता है। यदि दुर्घटना होने पर घायलों को तुरंत व मुफ्त उपचार मिले तो लाखों जानें बचायी जा सकती हैं। इस संकट के मद्देनजर ही सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का शुरुआती गोल्डन ऑवर में निरूशुल्क उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना के बाद सात दिनों के भीतर घायल को डेढ़ लाख रुपये तक उपचार मुफ्त मिल सकेगा। हरियाणा पुलिस ने भी इस योजना की शुरुआत कर दी है। प्रदेश की सड़कों को नागरिकों के लिये सुरक्षित बनाने की पहल को विस्तार दिया जा रहा है। दरअसल, यह पायलेट प्रोजेक्ट नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा स्थानीय पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुबंधित अस्पतालों के साथ तालमेल करते हुए संयुक्त रूप से लागू किया जाएगा। इसमें अस्पताल प्रबंधन सॉफ्टवेयर में घायल व्यक्ति का डेटा अपलोड करके संबंधित पुलिस थाने को भेजेगा। थाना छह घंटे के भीतर दुर्घटना की पुष्टि करेगा, फिर घायल को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का स्वागत किया जाना चाहिए। यदि समय रहते घायलों को उचित व मुफ्त उपचार मिल जाए तो हर साल हजारों जानें बचायी जा सकती हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि अस्पतालों व पुलिस में बेहतर तालमेल स्थापित हो। निश्चित रूप से घायलों के प्रति संवेदनशील व्यवहार व औपचारिकताओं के बिना तुरंत उपचार जीवन रक्षक ही साबित होगा। उन बाधाओं को दूर करने की भी जरूरत है जिसकी वजह से लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इसके अलावा उन बिंदुओं पर विस्तार से काम करने की जरूरत है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आती है। जरूरी है कि जन–जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को दुर्घटनाओं को टालने के लिये सतर्क रहने को प्रेरित किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटना उन्मुख क्षेत्र स्थित हैं। इंजीनियरिंग विभाग की मदद से उन तकनीकी खामियों को दूर किया जाए जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। इसी तरह स्कूली बसों की सुरक्षा की भी नियमित जांच होनी चाहिए। इस दिशा में हरियाणा पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए 19 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की है और खामी पाये जाने पर करीब साढ़े चार हजार से अधिक बसों के चालान भी किए हैं। इसी तरह ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों का भी चालान किया जाना चाहिए, ताकि दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। निस्संदेह, सरकार, पुलिस–प्रशासन तथा नागरिकों की जागरूकता से ही दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

मोदी का भाषण संविधान नहीं कांग्रेस पर

डॉ. दीपक पाचपोर

संसद के भीतर किसी भी विषय पर मोदी को कुछ कहना हो या स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की प्राचीर से सम्बोधित करना हो, चुनावी सभाएं हों या कोई विकास सम्बन्धी कार्यक्रम– मोदी के पास कांग्रेस एवं उसके नेताओं की आलोचना के अलावा मानों अन्य कुछ कहने के लिये है ही नहीं।

लोकसभा के लिये वह एक महत्वपूर्ण क्षण हो सकता था यदि संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर आयोजित दो दिवसीय चर्चा के अवसर पर दिये अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाकई कुछ ऐसा कहते जो भारत के संसदीय इतिहास के पन्नों में चमकदार अक्षरों में दर्ज होता। इससे वह एक उपयोगी सत्र भी होता। पिछले 11 वर्षों से मोदी जो कहते रहे हैं, वे उससे एक इंच भी आगे बढ़ते नजर नहीं आये। यह ऊब और निराशा के नये स्तरों को छूता हुआ उनका भाषण था जबकि वे ऐसे दस्तावेज के बारे में बात कर रहे थे जिसने भारत को पिछला सब कुछ भूलकर आगे की ओर देखना–बढ़ना सिखाया है। इस संविधान ने देश को रातों–रात मध्य युग से निकालकर आधुनिक दुनिया के आलोक में खड़ा किया था लेकिन मोदी हैं कि आजादी के पहले के उसी प्राचीन अंधकार में लौटना चाहते हैं, जो उनके पहले के अनेक भाषणों से परिलक्षित तो होता ही रहा, शनिवार को लोकसभा में अपने उद्बोधन द्वारा उन्होंने पुष्टि कर दी वे इतिहास की बेड़ियों में खुद को जकड़े रखना चाहते हैं। वे देश को भी पीछे पलटाने पर आमादा हैं।साल 2013–14 में मोदी को उनकी भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया तो उन्होंने अपने चुनाव प्रचार का मुख्य आधार कांग्रेस विरोध को बनाया। उन्होंने पहले के प्रधानमंत्रियों एवं कांग्रेस की सरकारों को अपने निशाने पर लिया। उन्होंने यह कहकर विकास के सब्जबाग दिखाये कि भारत में पिछले 60 वर्षों में कुछ नहीं हुआ। मोदी ने यह कहकर जबर्दस्त जनसमर्थन हासिल किया कि कांग्रेस को 60 साल दिये गये, उन्हें केवल 60 माह दिये जायें। एक मजबूत प्रचार तंत्र के जरिये तथ्यों की तोड़–मरोड़ के साथ तथा राष्ट्रनायकों को लांछित एवं अपमानित करते हुए मोदी का प्रचार अभियान यह देश दशक भर से देख रहा है। ऐसा नहीं कि चुनाव जीतने के बाद तथा पीएम बन जाने पर, वह भी एक बार नहीं वरन तीन बार, यह कुत्सित प्रचार रुक जाये– वह बदस्तूर जारी है। संसद के भीतर किसी भी विषय पर मोदी को कुछ कहना हो या स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की प्राचीर से सम्बोधित करना हो, चुनावी सभाएं हों या कोई विकास सम्बन्धी कार्यक्रम– मोदी के पास कांग्रेस एवं उसके नेताओं की आलोचना के अलावा मानों अन्य कुछ कहने के लिये है ही नहीं। मोदीजी ने इस काम के लिये विदेशी धरती तक को नहीं छोड़ा जहां उन्होंने यह तक कहा कि श2014 के पहले जो भी भारत में पैदा होता था वह खुद को कोसता था।श जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया और राहुल–प्रियंका तक आलोचना का उनका कारवां चल रहा है। चर्चा का जवाब देते हुए कहीं से नहीं लगा कि मोदी इस पवित्र एवं उच्चतम सदन के नेता हैं। वैसे भाषण के दौरान दिखी अतिरिक्त घृणा का कारण यह भी हो सकता है कि हाल के दिनों में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने उनकी संविधान व लोकतंत्र के नाम पर ऐसी घेराबन्दी की है कि अब मोदी मजबूर हो गये हैं कि वे स्वयं को इन दोनों का सबसे बड़ा रक्षक बतलाएं। इसके पहले राहुल ने सदन के भीतर अपने भाषण के दौरान संविधान और मनुस्मृति की प्रतियां दिखलाते हुए कहा कि सारी लड़ाई इन दोनों के बीच की है। कांग्रेस जहां संविधान बचाना चाहती है वहीं भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मनुस्मृति लागू करना चाहते हैं। वायनाड से चुनकर आईं प्रियंका गांधी सम्भवतः मोदी एवं भाजपा की बौखलाहट की एक बड़ी वजह हो सकती हैं जिन्होंने लोकसभा के अपने पहले भाषण में कहा कि श्यदि नतीजे ऐसे न आते तो अब तक संविधान बदलने का काम शुरू हो चुका होता।श इस भाषण का जलवा देश भर में जो बिखरा है वह भाजपा के जले पर नमक का छिड़काव साबित हुआ। इसलिये मोदी दोगुना असलहा लेकर कांग्रेस और नेहरू खानदान पर टूट पड़े। उन्होंने उन्हीं तमाम मुद्दों को उठाया जिन पर वे अनगिनत बार बातें कर चुके हैं। उन्होंने देश विभाजन से लेकर आपातकाल तक की चर्चा फिर से की। उन्होंने बताया कि कैसे संविधान में कई बार संशोधन किये गये। वे इस स्तर तक गये कि नेहरू परिवार के मुंह पर संविधान संशोधन के खून का स्वाद लग गया है।श उनका दावा था कि श्कांग्रेस के माथे पर से आपातकाल का पाप कभी नहीं धुलेगा। हालांकि अपने लगभग दो घंटे के भाषण में यह नहीं बताया कि कैसे देश के संविधान का लाभ सभी को मिले। पीएम ने यह भी नहीं बताया कि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में जिस श्मानवीय गरिमाश से युक्त, न्यायपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सभी की संसाधनों व अवसरों तक एक सी पहुंच वाला समाज बनाने की बात कही गयी है, वह कैसे बनेगा। 85 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने वाली उनकी सरकार लोगों को सशक्त कैसे बनायेगी– यह भी नहीं बताया। मोदीजी यह नहीं जानते कि संविधान में जिस आर्थिक एवं राजनैतिक सशक्तिकरण की बात कही गयी है उसके अनुरूप ही संविधान को रचा–गढ़ा भी गया है। अलबत्ता संविधान को माथे से लगाकर तस्वीरें खिंचवाने के शौकीन मोदीजी जानते है कि संविधान की असली ताकत देश के निर्माताओं द्वारा की गयी शक्तिशाली संवैधानिक संस्थाओं में है जिनके जरिये नागरिक अधिकार सुरक्षित हैं। इसलिये वे पिछले दस वर्षों से लोगों को राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से लगातार कमजोर करने हेतु इन संस्थाओं पर कब्जा कर चुके हैं।

राहुल ने तय किया देश का भावी अजेंडा: संविधान वर्सेस मनुस्मृति

शकील अख्तर

आखिर राहुल की पिच पर आ ही गए प्रधानमंत्री मोदी। लोकसभा में संविधान पर हुई चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जाति गणना और दलित पिछड़े आदिवासी के आरक्षण की सीमा पचास से ऊपर ले जाने की बात के जवाब में प्रधानमंत्री ने यह कह दिया कि हमने दस प्रतिशत आरक्षण सवर्णों को दिया है। जिस संविधान के गौरवशाली 75 साल पूरे होने पर संसद में चर्चा हो रही है उसमें आरक्षण के लिए यह कहीं नहीं लिखा है कि इसका आधार आर्थिक होगा। डॉ. आम्बेडकर जिनका नाम यह सबसे ज्यादा लेते हैं मगर जिनकी विशाल प्रतिमा संसद भवन के सामने से पिछवाड़े रखवा दी उन्होंने आरक्षण का आधार सामाजिक बताया था। सदियों से सामाजिक रूप से पिछड़ों को आगे बढ़ने का मौका देने के लिए आरक्षण का प्रावधान रखा था। प्रतिमा का जो हमने जिक्र किया वह इसलिए कि संसद में संविधान का जब भी जिक्र आता था सबके हाथ अपने आप बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा की तरफ देखते हुए जुड़ जाते थे। संसद के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर संसद के बाहर तक से दिखती थी। अगर वहीं मूल जगह होती तो सब सांसद संविधान पर चर्चा में सदन में जाने से पहले बाबा साहब को प्रणाम करके आते। मगर पिछवाड़े है। कोई नहीं गया। बाबा साहब वहीं दूर खड़े एक हाथ में संविधान लिए हंसते रहे कि इसी संविधान पर चर्चा हो रही है ना। मुझे पीछे धकेलकर! खैर, प्रतिमा को चाहे जहां पुर्नस्थापित कर दो हटा दो बहुत जगह से तो हटा ही दी गईं हैं, तोड़ दी गई हैं लेकिन राहुल गांधी ने डॉ. आम्बेडकर की भावनाओं को अभिव्यक्ति देते हुए बता दिया कि अब लड़ाई सीधे दलित पिछड़े आदिवासियों के अधिकारों की और उन्हें धर्म के नाम पर बरगला कर रोकने वालों के बीच होगी। वही बात जो डॉ. आम्बेडकर कहते थे राहुल ने कही कि मेहनत करने वालों का अंगूठा काट लेते हैं। राहुल का यह भाषण देश को एक दिशा देने वाले भाषणों में शामिल होगा। दलित पिछड़े आदिवासी के अधिकारों की पिछले दस साल से रुक गई लड़ाई को फिर से गति देने के लिए इसे याद किया जाएगा। राहुल ने साफ शब्दों में कहा कि एकलव्य को अंगूठा इसलिए देना पड़ा था कि वह ऊंची जाति का नहीं था। धर्म तो उसका भी वही था। मगर जाति नहीं थी। धर्म के नाम पर तब भी एक नहीं माना जाता था बल्कि शोषण होता था। आज भी वही हो रहा है। और राहुल ने यह स्पष्ट कर दिया कि इसका आधार मनुस्मृति है। देश में एक संघर्ष था कि आजादी के बाद हम अपनी जनता को क्या दें। एक तरफ संघ के लोग थे जो मनुस्मृति देना चाहते थे। दूसरी तरफ डॉ. आम्बेडकर, नेहरु, सरदार पटेल, मौलाना आजाद थे जो सबको समान अवसर देने वाला संविधान देना चाहते थे। राहुल ने एक हाथ में संविधान और दूसरे में मनुस्मृति लेकर बता दिया की वह संघर्ष अभी भी जारी है। अब देश के दलित पिछड़ों आदिवासियों, गरीबों, युवाओं, किसानों को चुनना है कि वे किसके साथ हैं। अजेंडा साफ हो गया है। और अगर इसमें कोई कसर रह गई थी तो लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दलित पिछड़े आदिवासी के अधिकारों की बात के जवाब में सवर्णों के आरक्षण को अपना मुद्दा बताते हुए पूरी कर दी। अब समझना देश के कमजोर वंचित वर्ग को है कि उसके मुद्दों को कौन उठा रहा है और किसने उन सवालों को रोकने के लिए सवर्ण सशक्तिकरण की बात की। प्रधानमंत्री राहुल की पिच पर आ गए। और यहां उनके लिए बेटिंग करना बहुत मुश्किल है। इसलिए उन्होंने केवल जनता को क्या करना है इसके 11 सूत्र दे दिए। जनता वोट देने के बाद भी सरकार को मजबूत करती रहे यह एक नई बात है। अभी तक तो यह माना जाता था कि वोट लेने के बाद सरकार जनता को मजबूत करती है। उसके हित में काम करती है। इन्दिरा गांधी ऐसे ही करती थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने जो सूत्रों की बात कही है वह इन्दिरा के प्रभाव में ही कही है। नेहरू इन्दिरा थे ही ऐसे। इनके दिमाग में हमेशा हावी रहेंगे। कोसेंगे भी मगर उनकी नकल भी करेंगे। बीस सूत्र इन्दिरा गांधी लाईं थी। मगर उनके बीस सूत्रीय कार्यक्रम में सबसे पहला सूत्र था आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम करना। भूमिहीनों को जमीन देना। कृषि मजदूरों की आय बढ़ाना। युवाओं को रोजगार प्रशिक्षण। मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स की दरें कम करना। स्कूली बच्चों की किताबें स्टेशनरी सस्ती करना जैसे कार्यक्रम थे। और इन्हें सख्ती से लागू भी किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रों में क्या है? कर्तव्य पालन, कानून का सम्मान जैसी जनता से मांगें। आम जनता के लिए क्या करना है यह इन्दिरा गांधी के सूत्रों में था। और यहां यह बताया गया है कि जनता को क्या करना चाहिए। संविधान बना इसलिए है कि देश की जनता के लिए अब क्या करना है। उसकी जरूरतों के मुताबिक संशोधन भी हुए। मोदी जी इसे कांग्रेस के मुंह से खून लगना कहते हैं। जनता की बेहतरी के लिए किया गया काम मुंह से खून लगना है! हो सकता वे सही हों। क्योंकि उनके हिसाब से जनता केवल कर्तव्य पालन के लिए बनी है। सरकार की आज्ञा पालक। लेकिन आजादी के आन्दोलन से निकली पार्टी के लिए संविधान का मतलब दूसरा था। जनकल्याण के लिए उसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग। तो देखिए आप जिस के इल्जाम वे नेहरू इन्दिरा पर लगा रहे थे उन्होंने संशोधन क्या किए। पहला जमींदारी उन्मूलन के लिए। जमींदारी उन्मूलन मतलब लाखों जोतने, बोने वालों को जमीन का मलिकाना हक। पहला क्रान्तिकारी काम। प्रसंगवश बता दें कि पाकिस्तान में यह नहीं हुआ। जमीनें जमींदारों के पास हैं और वहां की सत्ता व्यवस्था में जमींदार सबसे अहम हिस्सेदार हैं। बहुत लंबा हो जाएगा। मगर फिर भी कुछ संशोधनों के बारे बताने की कोशिश करते हैं। भारत को मजबूत बनाने वाले 12 वां संशोधन, गोवा दमन दीव को पुर्तगाल के कब्जे से छुड़ाकर भारत में शामिल करने के लिए। 35 वां और 36 वां संशोधन सिक्किम का भारत में विलय करने के लिए। इस पर वे सवाल उठा रहे हैं। असंवैधानिक बता रहे हैं! ज्यादा नहीं पर कुछ और बताते हैं। 26 वां। ऐतिहासिक। राजा–रानियों के प्रिवीपर्स प्रिवलेज खत्म करना। वक्त की सुई उलटी घूमा देना। कौन था? किसने किया? वह इन्दिरा गांधी। असली आयरन लेडी। कह रहे हैं एक ही परिवार का शासन रहा। वह तो जनता तय करती है। और असली वोट। मतपत्र से किया। ईवीएम की तरह धोखे का काम नहीं। उस जनता पर सवाल कि एक परिवार को चुना! खैर! तो जनता ने चुना तो जनता के लिए किया। 61 वां संशोधन राजीव गांधी। मताधिकार की उम्र 21 साल से घटाकर 18 कर दी। युवाओं को सबसे बड़ा तोहफा। इससे पहले 52 वां संशोधन करके दल बदल विरोधी कानून लागू कर चुके थे। जिसमें विधायकों की थोक खरीद के जरिए नया रास्ता निकाल लिया है। और लास्ट में संशोधन तो मोदी जी ने भी किया। कल इसी का जिक्र करते हुए कहा था कि हमने दस प्रतिशत सवर्णों को आरक्षण दिया। 103 वां संशोधन प्रतिगामी। लड़ाई यहीं साफ हो गई। राहुल की आरक्षण की बात दलित पिछड़ा आदिवासी के लिए 50 प्रतिशत से ऊपर और मोदी जी की बात सवर्ण के आरक्षण के लिए अपनी पीठ ठोकना। राहुल ने एक हाथ में संविधान लेकर यही कहा कि हम इसके लिए लड़ेंगे। और दूसरे हाथ में मनुस्मृति लेकर बताया कि वे इसके लिए लडेंघे। फैसला दलित आदिवासी पिछड़े को करना है वह किसके साथ है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

पूजा स्थल अधिनियम मुकदमों पर रोक से जगी धर्मनिरपेक्षता के बचने की नयी उम्मीद

डॉ. ज्ञान पाठक

पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के संबंध में सभी नये मुकदमों, कार्रवाइयों और आदेशों पर रोक लगाने का आदेश भारत के सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 12 दिसंबर को दिया, जिसके निहितार्थ दूरगामी होंगे क्योंकि यह कानूनी सीमाओं से परे देश के लोगों के सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित करेगा। इस आदेश ने सांप्रदायिकता के खिलाफ धर्मनिरपेक्षता की अस्तित्व की लड़ाई में धर्मनिरपेक्षता के बचने की एक नयी उम्मीद जगाई है, जिस पर हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी रूप से लगातार हमला किया जा रहा है, हालांकि पूजा स्थल अधिनियम में ऐसे मुद्दों को उठाने पर कानूनी रोक है। देश भर की विभिन्न अदालतों में हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा 10 मस्जिदों या दरगाहों पर दावा करने वाले मुकदमों के कुल 18 मामले लंबित हैं, जबकि 2019 के अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम को बरकरार रखा गया था, जिसका मूल उद्देश्य था इतिहास में सुदूर अतीत की घटनाओं, जो 16वीं शताब्दी तक पीछे के हैं, को आज के लोगों के वर्तमान और भविष्य को नष्ट न करने देना। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा 2022 में पूजा स्थल अधिनियम के वास्तविक उद्देश्य की अनदेखी ने मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ मामलों की बढ़ती संख्या का मार्ग प्रशस्त किया, क्योंकि उन्होंने कहा कि उक्त अधिनियम के तहत पूजा स्थलों की प्रकृति का पता लगाने पर कोई रोक नहीं है, हालांकि यह 15 अगस्त, 1947 को भारत के स्वतंत्र होने की कट–ऑफ तिथि के साथ उनके चरित्र को बदलने से रोकता है। वर्तमान आदेश में, सीजेआई संजीव खन्ना के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस त्रुटि को सुधारा है। अयोध्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की बेंच ने पूजा स्थल अधिनियम को बरकरार रखा था, लेकिन 2020 और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गयी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा था, लेकिन चार साल बाद भी केंद्र की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया और मामला लंबित रहा। इस बीच, देश के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक और राजनीतिक तनाव जारी रहा, जिससे जान–माल का नुकसान हुआ और अदालतों में मामलों की संख्या भी बढ़ती गयी। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के संभल में 5 लोगों की मौत के बाद सर्वोच्च न्यायालय की बेंच के समक्ष सुनवाई में तेजी लाने के लिए नये अनुरोध किये गये। अब सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को इस मामले में जवाब देने और अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। केंद्र सरकार की मंशा तब स्पष्ट हो गयी जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि तीसरा पक्ष सिविल मुकदमे की कार्रवाई पर रोक नहीं लगा सकता। जाहिर है, केंद्र को मस्जिदों और दरगाहों पर दावा करने वाली हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा मामलों की बढ़ती संख्या पसंद आई। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने यहां तक तर्क दिया कि पूजा स्थल अधिनियम से संबंधित रिट याचिकाओं पर विचार करते समय सिविल मुकदमों पर रोक नहीं लगाई जा सकती। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने आपत्ति का जवाब देते हुए कहा, 'इन रिट याचिकाओं में सिविल मुकदमों का मामला उठाया गया है। इन याचिकाओं में पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। दूसरे, अन्य रिट याचिकाओं में इन सिविल मुकदमों के खिलाफ 1991 के अधिनियम को लागू करने का मुद्दा उठाया गया है। उन्होंने निषेधाज्ञा की मांग की है। चूंकि केंद्र में सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के लोग हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह रोक आदेश महत्वपूर्ण है, खासकर इस मामले में केंद्र के रवैये को देखते हुए जो अदालत में उजागर हो चुका है। आगे क्या होने वाला है, यह कल्पना का विषय है। जब वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इस मुकदमे को पांच न्यायाधीशों की पीठ को संदर्भित करने की मांग की, तो मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि अदालत इस मामले पर नवंबर 2019 के अयोध्या फैसले को सुनाने वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ के निर्णय के आलोक में विचार करेगी। अयोध्या फैसले ने न केवल पूजा स्थल अधिनियम को बरकरार रखा था, बल्कि यह कहा था कि शकिसी भी व्यक्ति के लिए जो किसी भी प्राचीन शासकों के कार्यों के खिलाफ सांत्वना या सहारा चाहता है, कानून इसका जवाब नहीं है। इसके अलावा, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि पूजा स्थल अधिनियम की धारा 3 श्संवैधानिक सिद्धांतों की पुनरावृत्ति की एक प्रभावी अभिव्यक्तिश थी, और साथ में उन्होंने यह भी कहा कि अधिनियम में धर्मनिरपेक्षता, सम्मान, बंधुत्व और धर्म की स्वतंत्रता के विचार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि 1991 के पूजा स्थल अधिनियम की अनुपस्थिति में भी इन बुनियादी संवैधानिक सिद्धांतों के उल्लंघन के आधार पर मुकदमों पर आपत्ति की जा सकती है। 16वीं शताब्दी में मुगल आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किये गये हिंदू मंदिरों को श्पुनरू प्राप्त करनेश की मांग करने वाले लंबित मामलों में अदालतों को नये मुकदमे दर्ज करने या आदेश पारित करने से रोकने वाला फ्रीज ऑर्डर भी महत्वपूर्ण है, जिसे हिंदुत्व ताकतों का प्रतिनिधित्व करने वाले याचिकाकर्ताओं द्वारा व्यवधानों के बीच पारित किया गया था। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक कि पीठ पूजा स्थल अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर लेती। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी को होनी है। इस आदेश ने पूजा स्थल अधिनियम की अखंडता को संरक्षित किया है, जो तीन दशकों से अधिक समय से कागजों पर लागू है, लेकिन इसे समुचित ढंग से लागू नहीं किया गया है। इस आदेश का कानूनी अस्थिरता और सामाजिक अशांति को रोकने में तत्काल और दीर्घकालिक महत्व है, क्योंकि इस अधिनियम को धार्मिक स्थलों पर आगे के विवादों से बचने के लिए प्रभावी रूप से लागू किया गया, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित करने वाले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते थे। सीजेआई खन्ना की अगुवाई वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ का उद्देश्य धार्मिक स्थल के स्वामित्व और स्थिति से संबंधित कानूनी व्याख्याओं में स्थिरता प्रदान करना भी है। यह निश्चित रूप से सांप्रदायिक तनाव को फिर से भड़काने से रोकेगा, जो देश के समाज और राजनीति दोनों को बहुत ही विनाशकारी तरीके से प्रभावित करता है। रोक के आदेश से, सीजेआई संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी. विश्वनाथन वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने न केवल पूजा स्थल अधिनियम की रक्षा की है, बल्कि भारत के संविधान के मूल ढांचे की भी रक्षा की है, जो धर्मनिरपेक्षता पर आधारित है। केंद्र को चार सप्ताह में जवाब देने का समय दिया गया है, जिसे वे पिछले चार वर्षों से टाल रहे थे। इस आदेश ने केंद्र में हिंदुत्ववादी ताकतों के नेतृत्व वाली सत्ताधारी व्यवस्था को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है– या तो उन्हें पूजा स्थल अधिनियम का समर्थन करना होगा या इसके खिलाफ बहस। स्पष्ट है अब टालमटोल नहीं चलेगा। इस समय, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश ने भारत में सांप्रदायिकता के हमले से बचने के लिए धर्मनिरपेक्षता को थोड़ी उम्मीद दी है, लेकिन आगे एक लंबी सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी लड़ाई है।

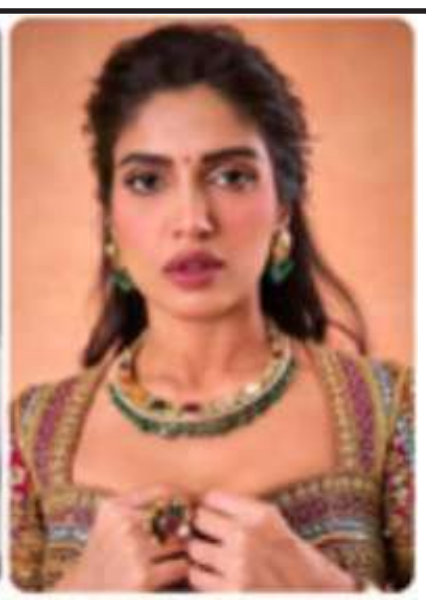

जाकिर हुसैन

के निधन पर फिल्म इंडस्ट्री में शोक, बॉलीवुड हस्तियों ने कहा-'आप दिलों में जिंदा रहेंगे'

देश के मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। तबला वादक के निधन की खबर मिलते ही देश के साथ ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसर गया। रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर समेत तमाम बॉलीवुड सितारों ने जाकिर हुसैन के निधन को बड़ी क्षति बताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर उस्ताद की एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, "उस्ताद जाकिर हुसैन की धुन हमारे दिलों में हमेशा गूंजती रहेंगी।" अभिनेता रणवीर सिंह ने जाकिर हुसैन की एक तस्वीर शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा, "जाकिर हुसैन साहब का निधन भारत और वैश्विक संगीत जगत के लिए एक बड़ा झटका है। सर, आपका संगीत एक उपहार था, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। आपकी विरासत अमर रहेगी। आपकी आत्मा लय और धुनों से घिरी रहे। जाकिर हुसैन साहब के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना।" फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने एक्स पर लिखा, "उस्ताद जाकिर हुसैन का कुछ घंटे पहले निधन हो गया। आखिर उस्तादजी... वह व्यक्ति जिसने तबले को आकर्षक बनाया, उनके परिवार, दुनिया भर के प्रशंसकों की गहरी संवेदनाएं।" उनके परिवार ने बताया, इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से पीड़ित जाकिर हुसैन का सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उनका निधन हो गया। हुसैन की पत्नी का नाम एंटोनिया मिनेकोला और बेटियां अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी हैं। 9 मार्च 1951 को जन्मे हुसैन महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र थे। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने पीछे एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमी संजोकर रखेंगे, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक रहेगा। अपने छह दशक के करियर में हुसैन ने कई अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया। 1973 में उन्होंने अंग्रेजी गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच विक्कू विनायकराम के साथ एक संगीत प्रोजेक्ट पर भी काम किया, जिसमें भारतीय शास्त्रीय और जैज को फ्यूजन के साथ सामने लाया। जाकिर हुसैन ने अपने करियर में रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा सहित भारत के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम किया। यो–यो मा, चार्ल्स लॉयड, बेला फ्लेक, एडगर मेयर, मिकी हार्ट और जॉर्ज हैरिसन जैसे वेस्टर्न संगीतकारों के साथ उनके अभूतपूर्व काम ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया। अपने शानदार करियर के दौरान जाकिर हुसैन ने चार ग्रैमी पुरस्कार प्राप्त किए थे। उन्हें 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।इसी साल, अक्टूबर में हुसैन ने बताया था कि वह शरद ऋतु का मौसम अमेरिका में बिता रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया फॉलोअर्स को अमेरिका में बदलते मौसम की झलक दिखाई थी।

> रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर समेत तमाम बॉलीवुड सितारों ने जाकिर हुसैन के निधन को बड़ी क्षति बताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर उस्ताद की एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, "उस्ताद जाकिर हुसैन की धुन हमारे दिलों में हमेशा गूंजती रहेंगी।" अभिनेता रणवीर सिंह ने जाकिर हुसैन की एक तस्वीर शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आलिया और रणबीर का प्यारा किचन वीडियो वायरल, राहा की तस्वीर और एनिमल मैग्नेट्स ने खींचा सबका ध्यान

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में से हैं, जो अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं। शायद इसलिए ही उन्होंने मुंबई में अपने घर की बालकनी में ही शादी करने का निर्णय लिया था। अब उनका किचन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आलिया और रणबीर की बेटी राहा के साथ एक प्यारी सी तस्वीर नजर आ रही है, साथ ही फ्रिज पर लगे क्यूट एनिमल मैग्नेट्स भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इस वायरल वीडियो में शेफ्स रणबीर, आलिया और राहा के लिए स्वादिष्ट खाना तैयार करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा, वीडियो में फ्रिज पर जानवरों के क्यूट मैग्नेट्स दिख रहे हैं, जो यह दर्शाते हैं कि आलिया और रणबीर ने अपने घर को खासतौर पर अपनी बेटी राहा के लिए डिजाइन किया है। ये मैग्नेट्स नन्ही राहा के जानवरों के प्रति प्रेम को भी दिखाते हैं। काम की बात करें तो आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म श्अल्फाश की शूटिंग खत्म कर चुकी हैं। अब वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर पर काम कर रही हैं। साथ ही यह खबरें भी आ रही हैं कि वह दिनेश विजान के साथ एक नई फीचर फिल्म पर बातचीत कर रही हैं। रणबीर कपूर की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह भी फिल्म लव एंड वॉर का हिस्सा हैं। इसके अलावा, वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क और रामायण फिल्म में भी नजर आएंगे।

लिपलॉक..रिंग एक्सचेंज..अब कीर्ति ने क्रिश्चियन रीति रिवाज से की पति संग शादी, व्हाइट गाउन में आसमां से उतरी परी लगीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने 12 दिसंबर को बॉयफ्रेंड एंथनी थाटिल के साथ हिंदू रीति–रिवाज से शादी रचाई थी, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुईं। वहीं हिंदू वेडिंग के बाद अब कीर्ति ने पति संग क्रिश्चियन रीति रिवाज से भी शादी रचाई है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कीर्ति सुरेश आसमान से उतरी कोई परी लग रही हैं। फैंस तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कीर्ति सुरेश पति एंथनी थाटिल संग अपनी व्हाइट वेडिंग को लेकर काफी खुश नजर आ रही हैं। इस दौरान वह लंबी टेल वाला व्हाइट गाउन पहन दुल्हन बनी हैं और बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। वहीं, उनके पति एंथनी भी व्हाइट पैंट सूट में काफी डैशिंग लग रहे हैं। एक्ट्रेस अपने हाथ में फूलों का गुलदस्ता लेकर पिता संग वेडिंग वेन्यू तक जाती हैं। इसके बाद दोनों सबके सामने अपने प्यार का इजहार करते हैं। इस दौरान कपल के साथ उनका पेट डॉग भी नजर आता है। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, कीर्ति सुरेश और उनके पति एंटनी थाटिल ने 15 दिसंबर को क्रिश्चियन रीति–रिवाज से वेडिंग की है। इससे पहले दोनों ने 12 दिसंबर को हिंदू रीति रिवाज से शादी की और इस दौरान दोनों भावुक हो गए थे।

जाकिर हुसैन के बाद अब फेमस शास्त्रीय गायक पंडित संजय राम मराठे का निधन, दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में थे भर्ती

फेमस तबला वादक जाकिर हुसैन के निधन के बाद मनोरंजन जगत से हाल ही में एक और बुरी खबर सामने आई है। लोकप्रिय शास्त्रीय गायक और हारमोनियम वादक पंडित संजय राम मराठे अब इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं। उनका महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक अस्पताल में निधन हो गया। दिग्गज गायक के निधन की जानकारी उनके परिवार ने सोमवार क दी। वे 68 वर्ष के थे। परिवार ने पंडित संजय राम मराठे के निधन की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उनके ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, इलाज के बीच ही दिग्गज इस दुनिया को अलविदा कह गए। संजय राम मराठे, संगीत भूषण पंडित राम मराठे के बड़े बेटे थे। हारमोनियम और अपनी मधुर आवाज से उन्होंने दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। वह देश–विदेश के कई बड़े सम्मानों से पुरस्कृत हो चुके हैं। तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन के बाद राम मराठे की मृत्यु की खबर सुन फैंस का दिल टूट गया है। वहीं इंडस्ट्री के स्टार्स को भी दोबारा झटका मिला है। फैंस और इंडस्ट्री के लोग उन्हें सोशल मीडिया के जरि श्रद्धाजंलि दे रहे हैं।

पाकिस्तान में ऐश्वर्या राय की 'डिट्टो कॉपी' मिल गई, खूबसूरती में भी नंबर वन

ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत और मशहूर अदाकाराओं में से एक हैं। उनकी खूबसूरती और अदाओं की बहुत तारीफें होती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी एक हमशक्ल पाकिस्तान में भी है? जी हां, पाकिस्तान की कंवल चीमा, जिनकी शक्ल और आवाज भी ऐश्वर्या राय से बहुत मिलती है, इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। कंवल चीमा पाकिस्तान की एक सफल बिजनेसवुमन और समाजसेविका हैं। कंवल चीमा एक पाकिस्तानी बिजनेसवुमन हैं जो इस्लामाबाद से हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई सऊदी अरब की राजधानी रियाद में की और वहां से अमेरिकन और ब्रिटिश स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में काम किया, लेकिन बाद में समाज सेवा के क्षेत्र में कदम रखा। अब वह एक एनजीओ, श्द इम्पैक्ट मीटरश की संस्थापक और सीईओ हैं। इस एनजीओ के तहत वह विभिन्न सामाजिक अभियानों को चला रही हैं, जिनमें थैलेसीमिया अभियान और श्सीखो और कमाओश अभियान शामिल हैं। कंवल चीमा की खूबसूरती और ऐश्वर्या राय से मिलते–जुलते चेहरे के कारण सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए हैं। एक वीडियो में वह लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आईं, जिसके बाद लोग उन्हें पाकिस्तान की ऐश्वर्या राय कहने लगे। उनकी आँखें और मुस्कान ऐश्वर्या राय से इतनी मिलती–जुलती हैं कि कोई भी धोखा खा सकता है।कंवल का जन्म इस्लामाबाद में हुआ था, लेकिन उनका बचपन सऊदी अरब में बीता। वहां उन्होंने अमेरिकन और ब्रिटिश स्कूल से अपनी पढ़ाई की। हालांकि, कंवल चीमा को ऐश्वर्या राय से अपनी तुलना करना पसंद नहीं है, फिर भी उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व की तुलना अक्सर ऐश्वर्या से की जाती है। कंवल चीमा ने समाजसेवा की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका एनजीओ कई सामाजिक अभियानों के माध्यम से लोगों की मदद कर रहा है। कंवल का मानना है कि किसी भी समाज में बदलाव लाने के लिए व्यक्तिगत योगदान और मेहनत जरूरी है। उनका उद्देश्य समाज की बेहतरी के लिए काम करना है।

कुछ ही घंटों में आसानी से तैयार हो जाएगा डोसा का बेटर फर्मेंट, अपनाएं ये सिंपल ट्रिक्स

ऐसी तमाम साउथ इंडियन डिशेज हैं, जिनको पूरे भारतवर्ष में पसंद किया जा रहा है। इन्हीं में से एक डिश डोसा है। बिना घी और तेल के बनकर तैयार होने वाली यह डिश हेल्थ के लिए भी अच्छी मानी जाती है। आजकल लोग होटल या रेस्तरां से डोसा मंगाने की बजाय घर पर डोसा बनाते हैं। इससे पैसे और समय दोनों की बचत होती है। लेकिन डोसा बनाने के दौरान उसे तैयार करने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है। क्योंकि इसे बनाने के लिए हमें एक दिन पहले दाल–चावल भिगोना पड़ता है। वहीं अगले दिन पीसने के बाद पूरा दिन खमीर उठने का इंतजार करना पड़ता है। यह प्रोसेस काफी लंबा होता है, जिसके कारण कुछ लोगों को यह काफी बोरियत भरा काम भी लगता है।

अपनाएं ये सिंपल ट्रिक्स

अगर आप भी डोसा बनाने के समय इस समस्या का सामना करती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज हम आपके साथ कुछ आसान ट्रिक्स शेयर करने जा रहे हैं। जिसके जरिए आप जोसा के बेटर को कुछ ही घंटों में फर्मेंट कर सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ सिंपल टिप्स फॉलो करने पड़ेंगे। इन टिप्स को फॉलो कर आप क्रिस्पी और टेस्टी डोसा बना पाएंगी।

साबुत हरी मिर्च डालें

अगर आपको डोसे के बेटर में तुरंत खमीर उठाना है, तो डोसा के बेटर में करीब 1–2 घंटे के लिए साबुत हरी मिर्च डालकर रखें। इससे भी खमीर ऊपर आ जाएगा।

गर्म पानी में रखें

इंस्टेंट खमीर के लिए आप डोसा के बेटर को खौलते हुए पानी के बर्तन में रखें। इससे कुछ ही घंटों में परफेक्ट बेटर बन जाएगा।

इंस्टेंट यीस्ट

आप डोसा के मिश्रण में इंस्टेंट यीस्ट भी डाल सकती हैं। इसको आप जैसे ही डोसा के मिश्रण में डालेंगे, तो पाएंगी कि खमीर बर्तन में ऊपर तक आ गया है। कुछ लोग भटूरा बनाने के समय भी इंस्टेंट यीस्ट का यूज करते हैं।

कुकर का उपयोग करें

बता दें कि आप कुकर को गैस पर चढ़ाकर उसमें पानी डालकर स्टीम बनाएं। अब गैस बंद करके डोसा के बेटर वाले बर्तन को प्रेशर कुकर में रखकर ढक्कन लगा दें। कुछ घंटे बाद आप पाएंगी कि खमीर उठ जाएगा।

डोसा के घोल में मुरमुरे मिलाएं

आप इंस्टेंट और कुरकुरा डोसा बनाने के लिए डोसा के घोल में मुरमुरों को भी पीसकर मिला सकती हैं। इससे डोसा एकदम परफेक्ट बनता और सिकता है।

गर्म पानी मिलाएं

डोसा के मिश्रण में तुरंत खमीर उठाने के लिए आप चावल पीसने के दौरान या फिर ऊपर से भी गर्म पानी मिला सकती हैं। यह एक बेस्ट तरीका है। इस ट्रिक को शेफ संजीव कपूर ने भी शेयर किया था।

दूध में मिलाओ सिर्फ एक चीज और देखो जादू- घटेगा वजन और बढ़ेगा निखार!

दूध और शहद का संयोजन आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा में लंबे समय से उपयोग किया जा रहा है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए एक शक्तिशाली औषधि की तरह काम करता है। शहद और दूध का मिश्रण रोजाना पीने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं, जो आधुनिक चिकित्सा भी मानती है।

इम्यूनिटी बूस्टरः बीमारियों से रखें दूर

दूध और शहद शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में बेहद कारगर हैं। दूध में मौजूद कैल्शियम और प्रोटीन शरीर को मजबूती देते हैं, जबकि शहद एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इनका मिश्रण न केवल सर्दी और खांसी से बचाव करता है, बल्कि शरीर को मौसमी संक्रमण से भी सुरक्षित रखता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है।

वजन घटाने का आसान तरीका

आजकल मोटापा हर किसी के लिए चिंता का विषय बन गया है। शहद और दूध का सेवन वजन घटाने में मदद करता है। शहद में नेचुरल शुगर होती है, जो शरीर को ऊर्जा देती है और फैट को तेजी से बर्न करने में सहायक होती है। इसके साथ ही दूध प्रोटीन और कम कैलोरी का स्रोत है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है और ओवरईटिंग की समस्या दूर होती है।

तनाव और अनिद्रा के लिए रामबाण उपाय

दूध और शहद का मिश्रण मानसिक शांति प्रदान करता है। दूध में मौजूद ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड और शहद की मिठास शरीर में सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ाते हैं। यह हार्मोन तनाव को कम करने और गहरी नींद लाने में मदद करते हैं। यदि आप रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और शहद का सेवन करते हैं, तो यह अनिद्रा की समस्या को दूर करने में भी सहायक होगा।

हड्डियों को बनाए मजबूत

दूध में मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है। अगर इसमें शहद मिलाया जाए, तो यह कैल्शियम को शरीर में बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है। यह कॉम्बिनेशन न केवल बच्चों की ग्रोथ के लिए अच्छा है, बल्कि बुजुर्गों में ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव करता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

दूध और शहद का मिश्रण पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। शहद में मौजूद एंजाइम पाचन क्रिया को तेज करते हैं, और दूध पेट की एसिडिटी को कम करता है। यह मिश्रण कब्ज, पेट दर्द और गैस जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

सांस की बीमारियों का इलाज

यदि आपको सांस लेने में तकलीफ या अस्थमा जैसी समस्या है, तो दूध और शहद का सेवन राहत दे सकता है। शहद में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण गले और फेफड़ों की सूजन को कम करते हैं, जबकि दूध फेफड़ों को नमी प्रदान करता है। यह मिश्रण अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

त्वचा की देखभालः नैचुरल ग्लो पाएं

दूध और शहद का मिश्रण त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। शहद त्वचा को अंदर से मॉइस्चराइज करता है और दूध त्वचा को निखारता है। यह कॉम्बिनेशन त्वचा की झुर्रियों को कम करता है, पिंपल्स को रोकता है, और त्वचा को जवां बनाए रखता है। इसके नियमित सेवन से चेहरे पर नैचुरल ग्लो आता है।

दूध और शहदः बच्चों के लिए वरदान

बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए दूध और शहद बेहद फायदेमंद है। यह न केवल उनकी इम्यूनिटी को बढ़ाता है, बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। जिन बच्चों को पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है, उनके लिए यह मिश्रण बहुत उपयोगी है।

कैसे करें दूध और शहद का सही उपयोग?

गर्म दूध में शहद मिलाएंः हमेशा गुनगुने या हल्के गर्म दूध में ही शहद मिलाएं। ज्यादा गर्म दूध में शहद मिलाने से इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।

सुबह और रात पिएंः सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले दूध और शहद पीना सबसे अधिक फायदेमंद है।

मात्रा का ध्यान रखेंः एक गिलास दूध में केवल एक चम्मच शहद मिलाएं। अधिक मात्रा में शहद का सेवन करने से शुगर लेवल बढ़ सकता है।

चेतावनी और सावधानियां

1. डायबिटीज के मरीज बिना डॉक्टर की सलाह के शहद का सेवन न करें।

2. एलर्जी की समस्या होने पर शहद का उपयोग करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

3. अगर आपको लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध के बजाय बादाम या सोया मिल्क का उपयोग कर सकते हैं।

दूध और शहद का यह सरल और प्रभावी मिश्रण आपके स्वास्थ्य को कई तरीकों से बेहतर बना सकता है। इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करके आप वजन घटाने, तनाव को कम करने और ग्लोइंग स्किन पाने के साथ–साथ कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी पा सकते हैं। हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए दूध और शहद का सेवन आज ही शुरू करें।

प्रेगनेंसी में सजना–संवरना पड़ न जाए भारी, मेकअप यूज करने से पहले जान लें ये बात

मेकअप करना या ना करना हर किसी की अपनी पसंद है, लेकिन प्रेग्नेंसी यानी गर्भावस्था के दौरान मेकअप ना करने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में कई ऐसी चीजें होती हैं जो पेट में पल रहे बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। नेचुरल ग्लो बनाए रखने के लिए प्राकृतिक उपाय अपनाए जा सकते हैं। हालांकि अगर आपको फिर भी मेकअप करने है तो कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

ध्यान रखने योग्य बातें

सेफ्टी के लिए प्रोडक्ट्स चेक करें। पैराबेन, सल्फेट, और फॉर्मल्डिहाइड जैसे हानिकारक केमिकल्स से बचें। फ्रेगरेंस–फ्री और मिनरल बेस्ड मेकअप' प्रोडक्ट्स का उपयोग करें। एफडीए अप्रूव्ड या डॉक्टर द्वारा सुझाए गए प्रोडक्ट्स का उपयोग करें। हेवी फाउंडेशन या मोटे मेकअप के बजाय, बीबी क्रीम या टिंटेड मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। चेहरे को हमेशा अच्छे से मॉइस्चराइज करें।

मेकअप हटाना न भूलें

हर दिन मेकअप रिमूव करें, ताकि त्वचा सांस ले सके। जेंटल क्लींजर या नारियल तेल से चेहरा साफ करें। प्रेगनेंसी में हार्मोनल बदलाव के कारण मेलास्मा (डार्क पैचेज) हो सकता है। ब्रॉड–स्पेक्ट्रम मिनरल सनस्क्रीन का उपयोग करें।

प्रेगनेंसी में नेचुरल ग्लो के लिए उपाय

खूब पानी पिएं। यह त्वचा को अंदर से हाइड्रेट और ग्लोइंग बनाए रखता है। नारियल पानी और नींबू पानी को डाइट में शामिल करें। विटामिन ब से भरपूर चीजें (संतरा, आंवला) खाएं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर भोजन लें, जैसे गाजर, पालक, और टमाटर। प्रेगनेंसी में 7–8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। अच्छी नींद चेहरे पर नैचुरल चमक लाती है।

नेचुरल फेस पैक

त्वचा को निखारने के लिए शहद और दही का फेस पैक लगा सकते हैं। एलोवेरा जेल भी त्वचा को ठंडक और नमी प्रदान करता है। बेसन और हल्दी का पैक भी लगाया जा सकता है। हल्दी में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, और बेसन त्वचा को साफ करता है। नारियल तेल, बादाम का तेल, या जैतून के तेल से चेहरे की हल्की मसाज कर सकते हैं, यह ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर त्वचा को नेचुरल ग्लो देता है।

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

–रिटिनॉल या सैलिसिलिक एसिड युक्त प्रोडक्ट्स।

–हेवी परफ्यूम या एसेंशियल ऑयल्स।

–हाईली पिगमेंटेड लिपस्टिक या ब्लश।

–व्हाइटनिंग या फेयरनेस क्रीम।

नेचुरल ग्लो के लिए बाहरी उत्पादों पर निर्भर रहने के बजाय, सही डाइट, स्किन केयर, और हाइड्रेशन पर ध्यान दें। अगर कोई स्किन एलर्जी हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

वार्डरोब के लिए इस तरह तैयार करें हैंगिंग आर्गेनाइजर

क्या आपका वार्डरोब छोटा है? क्या आपके वार्डरोब में आपकी जरूरत का सारा सामान नहीं आता? क्या आप नया वार्डरोब खरीदकर अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहते? अगर इन सभी सवालों का जवाब हां है तो अब वक्त आ गया है कि आप अपने मौजूदा वार्डरोब के ही स्पेस को मैक्सिमाइज करें। इसके लिए हैंगिंग आर्गेनाइजर की मदद ली जा सकती है और आप इसे बेहद आसानी से घर पर ही बना सकते हैं। ये ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि बनाने में भी आसान हैं और साथ ही साथ, ये आपके वार्डरोब को साफ–सुथरा और आर्गेनाइज्ड रखते हैं। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के आर्गेनाइजर मिल जाएंगे, लेकिन आपको उन सभी पर पैसे वेस्ट करने की जरूरत नहीं है। आप खुद घर पर ही इन हैंगिंग आर्गेनाइजर को बना सकती हैं और अपने वार्डरोब के स्पेस को मैनेज कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको हैंगिंग आर्गेनाइजर बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं–

पुराना स्कार्फ़ या फ़ैब्रिक से बनाएं आर्गेनाइजर

क्या आपके पास कोई पुराना स्कार्फ़ या फ़ैब्रिक है तो आप इसकी मदद से भी मल्टी–पॉकेट हैंगिंग आर्गेनाइजर बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

आवश्यक सामग्री–

एक मज़बूत स्कार्फ़ या कोई फ़ैब्रिक,

एक सिलाई किट या ग्लू गन

एक हैंगर

कैसे बनाएं–

पॉकेट बनाने के लिए फ़ैब्रिक को कई हिस्सों में मोड़ें।

किनारों को सिल लें या फिर ग्लू की मदद से चिपकाएं।

हर पॉकेट के लिए ऊपर का हिस्सा खुला छोड़ दें।

फ़ैब्रिक को हैंगर से जोड़ें।

बेल्ट, मोज़े या टाई जैसी छोटी एक्सेसरीज़ को स्टोर करने के लिए इसका इस्तेमाल बेहद ही आसानी से किया जा सकता है।

जींस की मदद से बनाएं आर्गेनाइजर

अगर आपकी जींस पुरानी व बेकार हो गई है तो उसे फेंकने की जगह आप हैंगिंग आर्गेनाइजर बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री

एक पुरानी जींस

कैंची

सुई और धागा

एक हैंगर

कैसे बनाएं–

अपनी जींस के पीछे की जेब वाले हिस्से को काटें।

मज़बूत कपड़े के एक टुकड़े पर कई पॉकेट सिलें।

कपड़े को एक हैंगर से जोड़ें और इसे अपनी वॉर्डरोब में हैंग कर दें।

संक्षिप्त

त्ठप् गवर्नर ने कर्मचारियों से विकसित भारत के सपने को साकार करने में मदद का आह्वान किया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपने सहकर्मियों से सर्वश्रेष्ठ के लिए प्रयास करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने में मदद का आह्वान किया। केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने के लिए हाल में नियुक्त किए गए मल्होत्रा ने कर्मचारियों को भरोसा दिया कि आरबीआई अब उनका परिवार है। मल्होत्रा घ्घ्ने कर्मचारियों के लिए संदेश में कहा, ''मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अमृत काल में प्रवेश करते हुए अपनी महत्वपूर्ण भूमिकाओं को सर्वश्रेष्ठ रूप में निभाने का प्रयास करें और विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने में सहयोग करें।'' उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लगातार सुधार जरूरी है। गौरतलब है कि आरबीआई गवर्नर के रूप में मल्होत्रा के सामने मुद्रास्फीति को काबू में रखने और रुपये पर लगातार दबाव सहित कई चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखेंगे और न केवल पहले से स्थापित उच्च मानकों को बनाए रखेंगे, बल्कि उनमें सुधार भी करेंगे।'' उन्होंने कहा कि आरबीआई कर्मचारियों को सार्वजनिक सेवा के महत्वपूर्ण मूल्यों को बनाए रखना चाहिए, जिसमें ईमानदारी, निष्पक्षता, परिश्रम, वस्तुनिष्ठता, जवाबदेही और पारदर्शिता शामिल है। मल्होत्रा घ्घ्ने कहा कि आरबीआई प्रत्येक नागरिक के जीवन को छूता है और मौद्रिक नीति निर्माण, मूल्य स्थिरता बनाए रखना, मुद्रा और ऋण प्रणाली का संचालन और विदेशी मुद्रा प्रबंधन जैसे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करता है। मल्होत्रा घ्घ्ने कहा कि वह एक टीम के रूप में काम करने और साथ मिलकर निर्णय लेने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि यह प्रतिष्ठित संस्थान मेरा परिवार है और परिवार के मुखिया के रूप में साथी सदस्यों और उनके परिवारों का कल्याण मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ताइवान की लैपटॉप विनिर्माता एमएसआई ने चेन्नई संयंत्र के साथ भारत में विनिर्माण किया शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। ताइवान की लैपटॉप विनिर्माता कंपनी एमएसआई ने भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू करने की मंगलवार कोघोषणा की। एमएसआई 'मेक इन इंडिया' पहल के अनुरूप, दो लैपटॉप मॉडल एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के स्थानीय रूप से विनिर्मित संस्करण पेश करेगी। बयान में कहा गया, '' भारत एमएसआई के सबसे तेजी

से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है और ब्रांड लगातार देश भर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की मांग लगातार बढ़ रही है। इसलिए एमएसआई वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले स्थानीय रूप से विनिर्मित उपकरणों की पेशकश कर भारत के संपन्न प्रौद्योगिकी परिदृश्य तंत्र में योगदान करने के लिए उत्साहित हैं।'' भारत में विनिर्मित थिन और मॉडर्न सीरीज के लैपटॉप क्रमशः 73,990 रुपये और 52,990 रुपये की शुरुआती खुदरा कीमतों पर उपलब्ध होंगे। एमएसआई इंडिया के एनबी महाप्रबंधक जॉन हंग ने कहा, ''भारत लंबे समय से एमएसआई के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है और देश में उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की बढ़ती मांग स्थानीय स्तर पर विनिर्माण शुरू करने के हमारे निर्णय का अभिन्न हिस्सा है।

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

पटना,एजेंसी। बिहार सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के मकसद से करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड ने 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी जबकि 35 इकाइयों

के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बयान के मुताबिक, राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बिहार में निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए इस बोर्ड का गठन किया गया है। बैठक में उद्योग सचिव बंदना प्रेयसी, पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह, वित्त संसाधन सचिव आशिमा जैन और उद्योग विभाग में निदेशक आलोक रंजन घोष समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले चालू वित्त वर्ष में कुल 260 प्रस्तावों को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है जबकि 161 प्रस्तावों को वित्तीय मंजूरी दी जा चुकी है। सरकार राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने को लगातार प्रयासरत है। उद्योग विभाग ने हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक तथा उद्यमी पंचायत का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना और बिहार लघु उद्यमी योजना के लाभार्थियों को क्रमशः पहली और दूसरी किस्त की राशि का वितरण भी किया गया। बिहार में निवेश आकर्षित करने के मकसद से राज्य सरकार पटना में 19–20 दिसंबर को निवेशक सम्मेलन बिहार बिजनेस कनेक्ट का आयोजन कर रही है।

स्मृति मंधाना ओडीबआई और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2–1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर

हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर की सूची में भी चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप दो स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर), नैट स्किवर ब्रंट (एक स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और लॉरेन बेल (चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर) की तिकड़ी को भी फायदा हुआ है। दूसरी तरफ टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में हरमनप्रीत की शीर्ष 10 में वापसी हुई है। जेमिमा वेस्टइंडीज के खिलाफ 73 रन की पारी खेलकर छह स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति दो स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं जबकि टिटास साधु 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन भारत के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के बाद 21 स्थान के फायदे से 59वें पायदान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में कियाना जोसेफ (22 स्थान के फायदे से 65वें स्थान) और गेंदबाजी रैंकिंग में करिशमा रामहरक (छह स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

आकाशदीप- जसप्रीत बुमराह ने हारते मैच में बैटिंग में किया कमाल, फॉलोऑन भी बचाया

जसप्रीत बुमराह ने 27 गेंदों में एक छक्का लगाकर 10 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं आकाशदीप ने भी 31 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर नाबाद 27 रन की पारी खेली। जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप की जोड़ी में आखिर में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए भारत को किसी तरह फॉलोऑन झेलने के शर्मसार होने से बचा लिया।

बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हर मायने में टीम इंडिया के हीरो साबित हुए हैं। बता दें कि, टीम इंडिया ब्रिस्बेन गाबा के मैदान पर शर्मसार होने से बाल–बाल बची। वहीं पहले केएल राहुल और फिर रविंद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामने करते हुए अर्धशतक लगाकर भारत की लाज बचाने की कोशिश की। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने 27 गेंदों में एक छक्का लगाकर 10 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं आकाशदीप ने भी 31 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर नाबाद 27 रन की पारी खेली। जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप की जोड़ी में आखिर में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए भारत को किसी तरह फॉलोऑन झेलने के शर्मसार होने से बचा लिया। जब आकाशदीप ने कमिंस को चौका मारते हुए कट ऑफ स्कोर को पार किया तो टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में सेलिब्रेशन देखते बन रहा था। हेड कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा खुशी से झूम उठे। जबकि इसके बाद ही आकाश ने कमिंस को एक छक्का भी मारा। उनके बीच 39 रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारत ने चौथे दिन 74.5 ओवरों में 9 विकेट खोकर 252 रन बनाए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 445 रनों का पहाड़ सरीखा स्कोर खड़ा किया था। बता दें कि, आखिरी बार 2011 में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में फॉलोऑन नहीं बचा पाई थी। भारत के लिए दो सबसे बड़ी साझेदारी हुई। केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 67 रन जोड़े, जबकि 7वें विकेट के लिए जडेजा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 53 रन जोड़े। इससे पहले अपने तीसरे दिन के स्कोर चार विकेट पर 51 रन से आगे खेलते हुए भारतीय बल्लेबाजों ने जुझारुपन दिखाया और राहुल संकटमोचक साबित होते दिखे। राहुल भाग्यशाली रहे जिन्हें दिन की पहली गेंद पर दूसरी स्लिप में स्मिथ से जीवनदान मिला जबकि पैट कमिंस गेंदबाज थे।

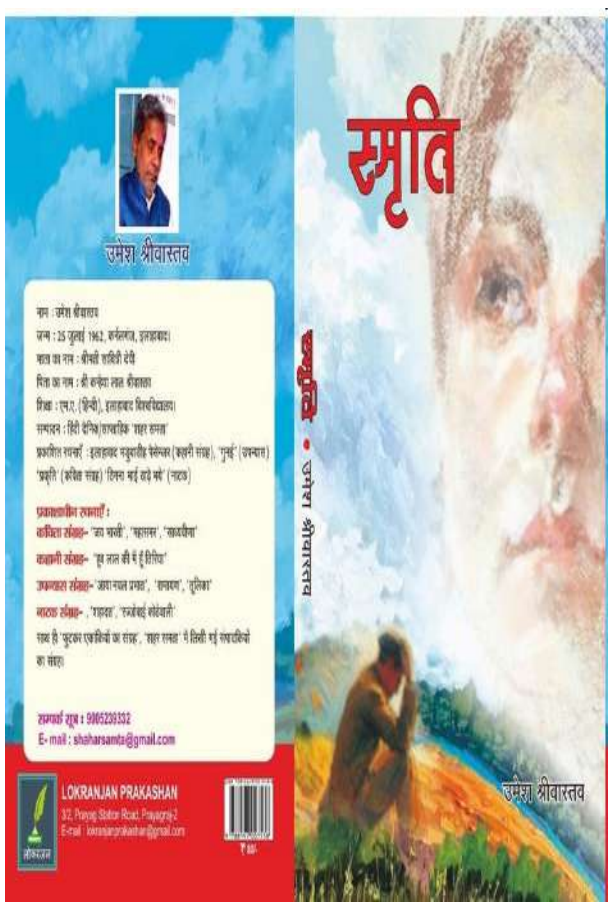

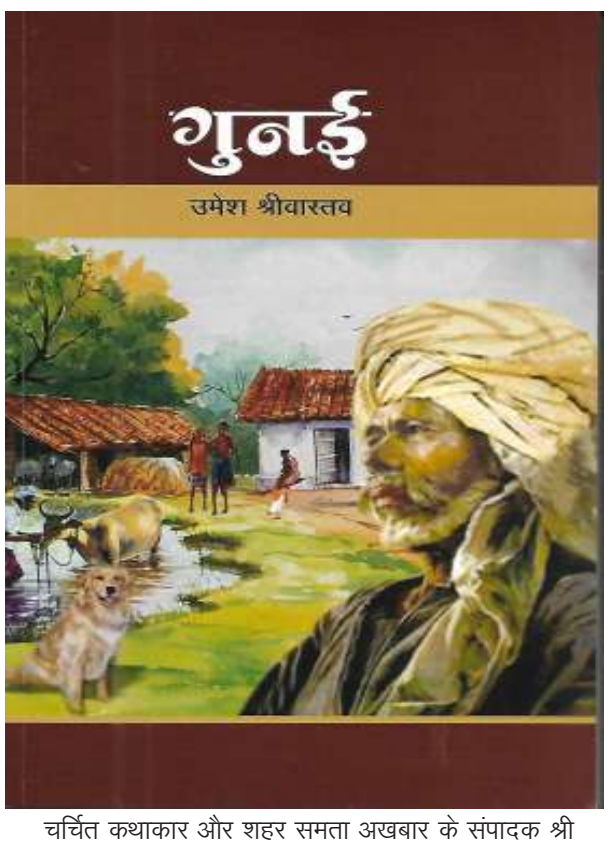

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

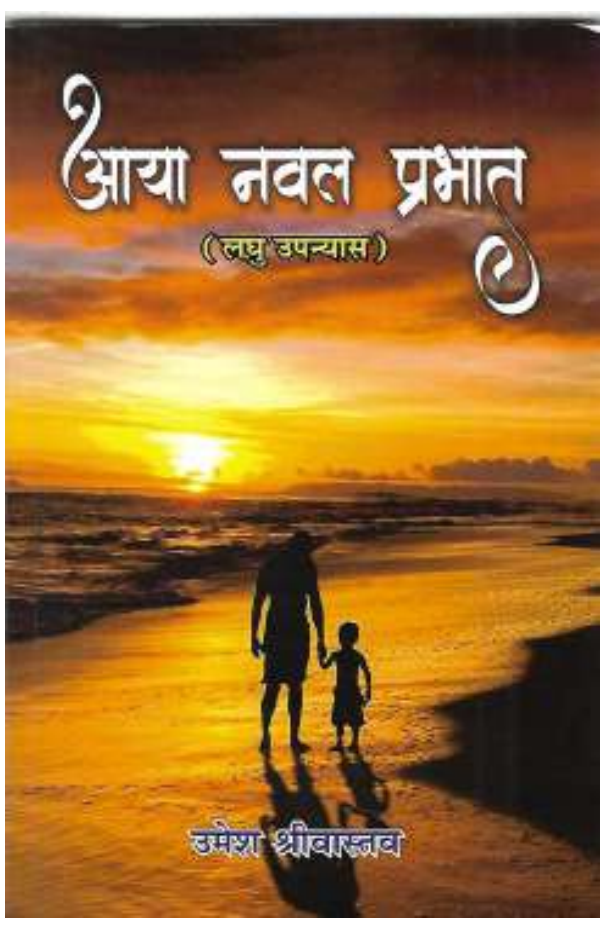

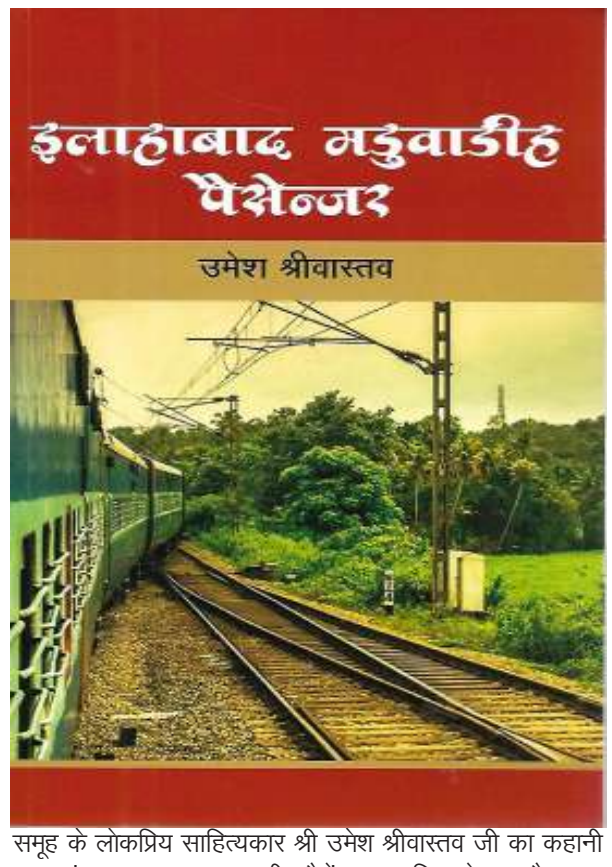

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

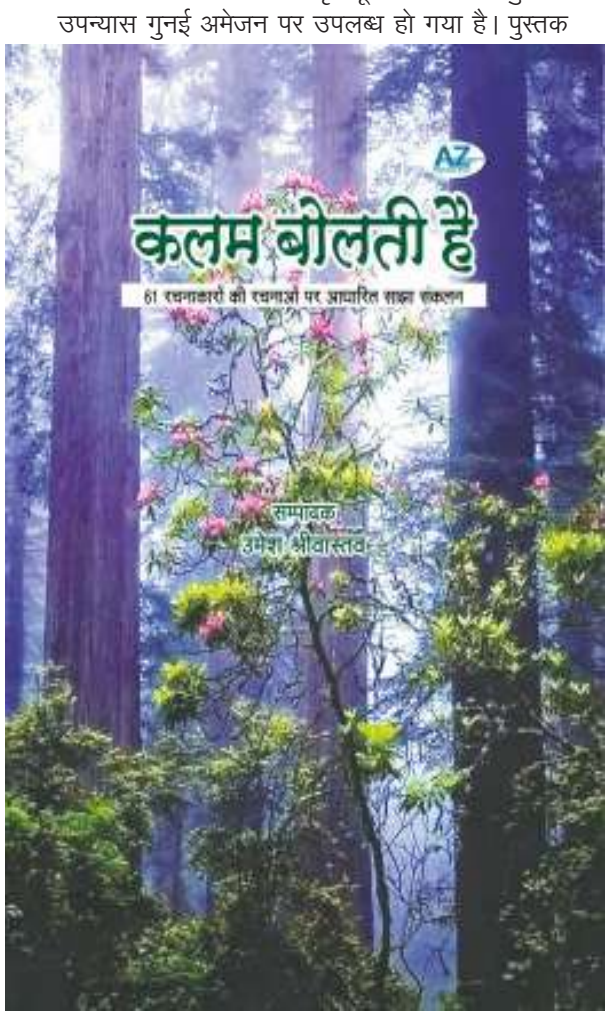

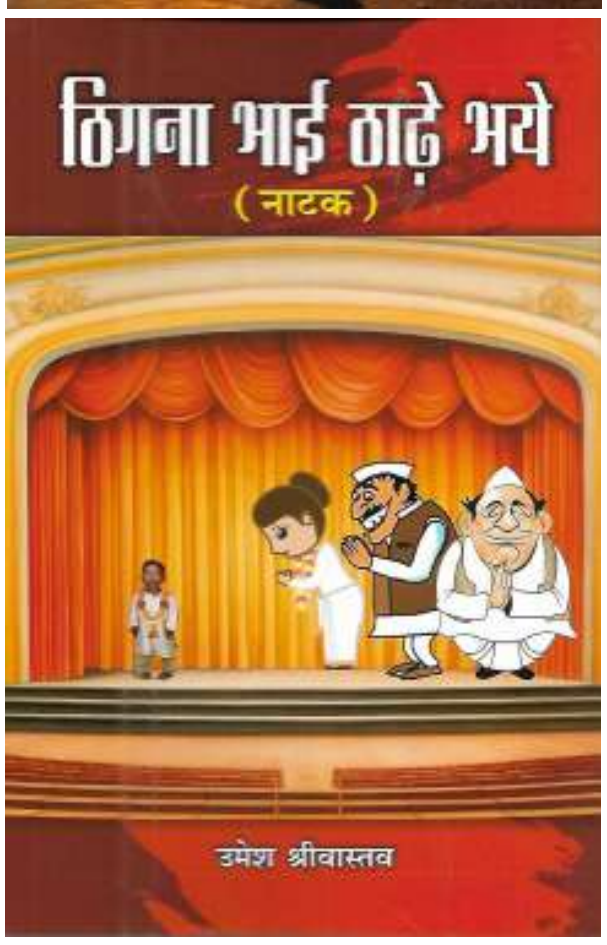

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

लड़ाई जारी रखना चाहता था, लेकिन रूसियों ने मुझे बाहर निकालने का फैसला किया : असद

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के अपदस्थ नेता बशर असद ने कहा कि एक सप्ताह पहले सरकार के पतन के बाद देश छोड़ने की उनकी कोई योजना नहीं थी, लेकिन पश्चिमी सीरिया में उनके अड्डे पर हमला होने के बाद रूसी सेना ने उन्हें वहां से बाहर निकालने का निर्णय लिया। विद्रोही समूहों द्वारा सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद असद की यह पहली टिप्पणी है। असद ने 'फेसबुक' पर एक बयान में कहा कि आठ दिसंबर की सुबह जब विद्रोहियों ने राजधानी पर हमला किया

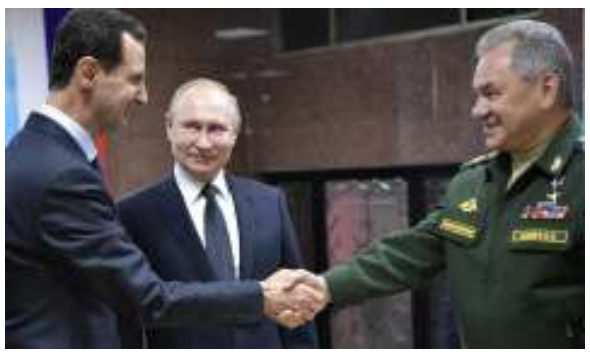

तब उन्होंने दमिश्क छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि वे रूसी सहयोगियों के साथ समन्वय कर तटीय प्रांत लताकिया में रूसी आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने लड़ाई जारी रखने की योजना बनाई। असद ने कहा कि ड्रोन से रूसी आधार शिविर पर हमला होने के बाद रूसियों ने आठ दिसंबर की रात उन्हें रूस ले जाने का फैसला किया। असद ने कहा, "मैंने किसी योजना के तहत देश नहीं छोड़ा जैसा कि पूर्व में बताया जा रहा था।" उन्होंने कहा, "इन घटनाओं के दौरान किसी भी समय मैंने पद छोड़ने या शरण लेने के बारे में नहीं सोचा और न ही किसी व्यक्ति या पार्टी द्वारा ऐसा कोई प्रस्ताव रखा गया था। कार्रवाई का एकमात्र तरीका आतंकवादी हमले के खिलाफ लड़ाई जारी रखना था।

पैसे बचाने लिए श्रीलंकाई सरकार ने उठाया बड़ा कदम, पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में की जाएगी कटौती

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की सरकार ने वार्षिक बचत के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की जाने वाली अत्यधिक व्यक्तिगत सुरक्षा में कटौती करने का फैसला लिया है। सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की गई कार्मिक सुरक्षा एक जनवरी से कम कर दी जाएगी। श्रीलंकाई मंत्री आनंद विजेपाला ने मंगलवार को कहा कि सरकार का उद्देश्य पूरे देश की सुरक्षा

सुनिश्चित करना था। उन्होंने इस फैसले को सरकार की नीति के अनुरूप बताया। विजेपाला ने सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ष्हमने देश से वादा किया है कि उच्च सार्वजनिक पदों पर तैनात लोगों को भी आम नागरिकों की तरह सुविधा प्रदान की जाएगी। हम सड़कों पर बड़े वीआईपी काफिलों के कारण जान लगने की प्रथा को समाप्त करना चाहते हैं।ष उन्होंने आगे कहा, 2024 के दौरान पूर्व राष्ट्रपतियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1,448 मिलियन खर्च हुए हैं। इस कठिन समय में यह लोगों पर बोझ है। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे का खर्च सबसे अधिक था। उन्होंने कहा, हमने व्यक्तिगत तौर पर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को निशाना नहीं बनाया है। हम सभी राष्ट्रपतियों की बात कर रहा हूं। उन्हें अब केवल 60 पुलिसकर्मी उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार के इस फैसले पर विपक्षी पार्टी राजपक्षे की श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) ने प्रतिशोध की एक राजनीतिक कार्रवाई करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अभी भी लिट्टे (एलटीटीई) से खतरा है। बता दें कि राजपक्षे को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर जीत का श्रेय दिया जाता है। लिट्टे ने लगभग 30 वर्षों तक श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए सैन्य अभियान चलाया था। 2009 में उनके सर्वोच्च नेता वी. प्रभाकरन को मार गिराया गया था।

राष्ट्रपति पुतिन को बड़ा झटका, मॉस्को बम धमाके में रूस के परमाणु सुरक्षा बल प्रमुख की गई जान

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक बड़ा झटका लगा है। यहां की राजधानी मॉस्को में मंगलवार को एक बड़ा धमाका हुआ, जिसमें रूस के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की मौत हो गई। किरिलोव की क्रेमलिन के पास रियाजांस्की प्रॉस्पेक्ट पर स्थित एक अपार्टमेंट के बाहर हत्या कर दी गई। रूसी जांच एजेंसियों के अनुसार, धमाका एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम के कारण हुआ। बम फटने से किरिलोव और उनके एक सहायक की जान चली गई। जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह एक हत्या थी। जमीन से ली गई तस्वीरों में मलबे से अटी एक इमारत का टूटा हुआ प्रवेश द्वार दिखाई दे रहा। वहीं, घटनास्थल पर खून से सनी बर्फ में दो शव पड़े हुए थे और पुलिस ने इलाके को घेर लिया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

चीन में भ्रष्टाचार की कोई माफी नहीं, देश के सबसे बड़े घोटाले में लिप्त अधिकारी को फांसी पर चढ़ाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सरकार में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति है और इसी नीति के तहत चीन की सरकार ने अपने एक और शीर्ष अधिकारी को मौत की सजा दे दी है। चीन की सरकार ने मंगलवार को उत्तरी इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के पूर्व अधिकारी ली जियानपिंग को फांसी दे दी। ली जियानपिंग को देश के अब तक के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था। यह भ्रष्टाचार 42 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का बताया जा रहा है।

चीन के सबसे बड़े घोटाले में पाए गए थे दोषी

ली जियानपिंग चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की कार्यसमिति के सदस्य थे। ली को पूर्व में सितंबर 2022 में ही मौत की सजा दी जानी थी, लेकिन उन्होंने सजा के खिलाफ अपील की थी। अपील के बाद भी चीन के सुप्रीम कोर्ट ने सजा को बरकरार रखा, जिसके बाद अब ली को फांसी की सजा दी गई। चीन के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ली जियानपिंग को अदालत द्वारा 42 करोड़ डॉलर की अवैध कमाई का दोषी पाया गया था। यह चीन के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला बताया जा रहा है।

सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही शी जिनपिंग का भ्रष्टाचार के खिलाफ रहा है सख्त रुख

साल 2012 में चीन की सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भ्रष्टाचार के खिलाफ रुख सख्त रहा है। अब तक शी जिनपिंग के कार्यकाल के दौरान दो पूर्व रक्षा मंत्रियों और दर्जनों सैन्य अधिकारियों समेत दस लाख से अधिक पार्टी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की गई है। इस साल जनवरी में केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग (सीसीडीआई) के पूर्ण सत्र में दिए गए अपने भाषण में भी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भ्रष्टाचार का डटकर सामना करने का आह्वान किया था। गौरतलब है कि चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख के बावजूद घोटालों में लिप्त अधिकारियों के सजा पाने के मामले बढ़े हैं। सेना में शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान ने वैश्विक ध्यान खींचा है, जिसके बारे में उनके आलोचकों का कहना है कि इसने उन्हें सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सक्षम बनाया है।

भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधि 18 दिसंबर को बीजिंग में वार्ता करेंगे : चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के पीछे हटने के लिए 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर चर्चा के लिए दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि बुधवार को यहां मिलेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां बताया कि सहमति के अनुरूप केंद्रीय विदेश आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 18 दिसंबर को बीजिंग में 'चीन–भारत सीमा विवाद' के लिए विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक करेंगे। ज्ञात सूत्रों के अनुसार, डोभाल महत्वपूर्ण वार्ता में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आगे बढ़ने का रास्ता मिलने की उम्मीद है। भारत–चीन सीमा विवाद को निपटाने के लिए

विशेष प्रतिनिधियों के इस तंत्र ने पिछले कुछ वर्षों में 22 बार बैठकें की हैं। इस तंत्र का गठन 2003 में किया गया था। विशेष प्रतिनिधियों की यह बैठक पांच साल के अंतराल के बाद होगी। पिछली बैठक 2019 में हुई थी। हालांकि सीमा विवाद को सुलझाने में सफलता नहीं मिली, लेकिन दोनों पक्षों के अधिकारी इसे दोनों देशों के बीच बार–बार होने वाले तनाव को दूर करने में एक बहुत ही आशाजनक, उपयोगी और आसान उपकरण मानते हैं। दोनों देशों के बीच रिश्तों पर अप्रैल 2020 से ही बर्फ जमी थी, जब चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की ओर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेजा था, जिससे दोनों देशों के बीच सबसे लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बना रहा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 21 अक्टूबर को दिल्ली में कहा कि पिछले कई हफ्तों से चल रही बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रूप दिया गया है और इससे 2020 में उठे मुद्दों का समाधान निकलेगा। इसके बाद, चीनी विदेश मंत्रालय ने 22 अक्टूबर को समझौते की पुष्टि करते हुए कहा, ''दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों के समाधान तक पहुंच गए हैं। चीन इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 24 अक्टूबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में मुलाकात की, और इस दौरान उन्होंने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त और पीछे हटने के समझौते का समर्थन किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की, जिसके बाद चीन–भारत सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक हुई।

रूस में हमले के लिए यूक्रेन को अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की अनुमति का फैसला पलट सकते हैं ट्रंप

पाम बीच (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति जो बाइडन के उस हालिया फैसले को पलट सकते हैं जिसके तहत यूक्रेन की सेना को रूस के अंदरूनी क्षेत्र में हमला करने के लिए अमेरिका के

हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने पिछले महीने बाइडन द्वारा लिए गए निर्णय को ''मूर्खतापूर्ण'' बताया। उन्होंने इस बात पर भी असंतोष जाहिर किया कि बाइडन ने यह निर्णय लेने से पहले आगामी प्रशासन से सलाह नहीं ली। यूक्रेन लंबे समय से अपनी सीमा से सैकड़ों मील दूर रूसी ठिकानों पर हमला करने के वास्ते अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति चाहता था। हालांकि, प्रतिबंधों में ढील के साथ, बाइडन ने रूस के अंदरूनी क्षेत्र में हमले के लिए यूक्रेन को अमेरिका द्वारा मुहैया कराई गई 'आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम' का उपयोग करने की अनुमति दे दी। ट्रंप ने अपने मार–ए–लागो रिजॉर्ट में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इसकी अनुमति दी जानी चाहिए थी, खास तौर पर उस वक्त जब मेरा प्रशासन काम संभालने वाला है। इस बारे में मैं क्या सोचता हूं, यह जाने बिना उन्होंने ऐसा किया। मैं उन्हें ऐसा करने के लिए नहीं कहता। मुझे लगता है कि यह एक बड़ी गलती थी।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह बाइडन प्रशासन के फैसले को वापस लेने पर विचार करेंगे, ट्रंप ने कहा, ''हो सकता है। मुझे लगता है कि ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण बात थी।'' 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने ट्रंप की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा कि यह निर्णय पिछले महीने के चुनाव से पहले, महीनों के विचार–विमर्श के बाद लिया गया। 'व्हाइट हाउस' के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मौजूदा प्रशासन के आगामी प्रशासन के साथ समन्वय को लेकर कहा, ''मैं आपको केवल इतना स्पष्ट तौर पर कह सकता हूं चुनाव के बाद से हमने उनसे विभिन्न स्तरों पर जो बातचीत की है, उसमें हमने उन्हें इसके पीछे के तर्क, इसके मकसद, हम ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस बारे में स्पष्ट रूप से बताया है।

'छात्रों को पढ़ना–लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा', स्कूल में गोलीबारी पर भड़के राष्ट्रपति बाइडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कोंसिन में एक स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने चिंता जाहिर की। बाइडन ने कहा कि स्कूल में बच्चों को पढ़ना–लिखना सीखना चाहिए न कि बंदूक चलाना और हिंसा करना। बाइडन ने देश में बढ़ रही बंदूक संस्कृति को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि देश की संसद को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। स्कूल में गोलीबारी की घटना पर हैरानी और दुख जताते हुए बाइडन ने कहा कि ऐसी घटनाएं बिल्कुल अस्वीकार्य हैं और हम अपने बच्चों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं।श व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया कि श्आज विस्कोंसिन के मेडिसन के परिवार अपनों को खोने के दुख में हैं। हम चाहते हैं कि संसद इस पर तुरंत कोई कदम उठाए।श बयान में कहा गया कि श्न्यूटन से लेकर उवाल्डे, पार्कलैंड और मेडिसन तक स्कूलों में गोलीबारी की कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। हम इसे सामान्य नहीं मान सकते। हर बच्चे का अधिकार है कि उसे स्कूल में पूरी सुरक्षा मिले। स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को पढ़ना–लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा और गोलीबारी करना। गौरतलब है कि सोमवार को मैडिसन के एबंडैंट

लाइफ क्रिश्चियन स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर सहित पांच लोग मारे गए। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। गोलीबारी में पांच लोग घायल भी हुए हैं। हमलावर एक किशोर को बताया जा रहा है, जो स्कूल में मृत पाया गया। अभी गोलीबारी के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। बाइडन ने कहा कि श्मेरी सरकार ने बंदूक हिंसा के खिलाफ काफी काम किया। हमने गन सेफ्टी कानून पारित कराया और अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में बंदूक हिंसा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए। हालांकि अभी इसे रोकने के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी है। खतरनाक हथियारों पर रोक लगनी चाहिए।

कौन हैं डोमिनिक लेब्लांक? वित्त मंत्री के इस्तीफे के बाद ट्रूडो ने दी अहम जिम्मेदारी

क्रिस्टिया फ्रीलैंड के अचानक इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लंबे समय से सहयोगी डोमिनिक लेब्लांक ने कनाडा के नए वित्त मंत्री के रूप में शपथ ली है। यह कदम कनाडाई सरकार के लिए उथल–पुथल भरे समय में आया है, फ्रीलैंड के जाने से राजनीतिक अराजकता फैल गई है और ट्रूडो के नेतृत्व के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। फ्रीलैंड ने अपने त्यागपत्र में कहा कि ऐसी स्थिति में उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ने का ही ईमानदार और व्यावहारिक रास्ता अपनाना बेहतर समझा। कनाडा में हाल के समय में ट्रूडो सरकार की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आई है। ऐसे में ट्रूडो सरकार की सबसे ताकतवर मंत्री फ्रीलैंड के इस्तीफे को तगड़ा झटका माना जा रहा है। 56 वर्षीय फ़्रीलैंड द्वारा एक आश्चर्यजनक सोशल मीडिया पोस्ट में अपने इस्तीफे की घोषणा के बाद लेब्लांक का वित्त मंत्री के रूप में उत्थान हुआ। राजकोषीय नीति को लेकर ट्रूडो के साथ बढ़ती दरार के बाद फ्रीलैंड के पद छोड़ने का निर्णय लिया गया, जिसमें महंगी राजनीतिक चालबाज़ियों और जीवनयापन की बढ़ती लागत जैसे प्रमुख आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान देने की कमी के बारे में चिंताएं शामिल थीं। लेब्लांक ट्रूडो के भरोसेमंद विश्वासपात्र माने जाते हैं और 2015 में लिबरल पार्टी की जीत के बाद से उन्होंने कई प्रमुख कैबिनेट पदों पर काम किया है। प्रधानमंत्री के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते से उन्हें अशांत राजनीतिक परिदृश्य से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है। लेब्लैंक पिछले महीने ट्रूडो के साथ फ्लोरिडा गए थे और मार–ए–लागो में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय वार्ता में उनकी प्रमुख भूमिका रेखांकित हुई।

आर्थिक स्थिरता और व्यापार संबंधों पर ध्यान दें

लेब्लांक अपनी वर्तमान भूमिका में सीमा सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मुद्दों पर बारीकी से काम किया है, अब अशांत जल के माध्यम से कनाडा की राजकोषीय नीति को चलाने के चुनौतीपूर्ण कार्य का सामना कर रहे हैं। लेब्लांक ने संवाददाताओं से कहा कि हम समझते हैं कि बड़ी संख्या में कनाडाई लोगों के लिए रहने की लागत एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है।ष वित्त मंत्री के रूप में मेरे काम में यह स्पष्ट रूप से एक बड़ा फोकस होगा। उन्होंने आने वाले अमेरिकी प्रशासन द्वारा उत्पन्न चुनौती, विशेष रूप से कनाडाई और मैक्सिकन सामानों पर 25: टैरिफ के खतरे पर भी प्रकाश डाला। लेब्लांक ने कहा, ष्हमें आने वाले अमेरिकी प्रशासन द्वारा संभावित टैरिफ लगाए जाने के संबंध में आने वाली चुनौतियों पर भी अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

हरमीत ढिल्लन को ट्रंप सरकार में अहम पद मिलने से क्या बढ़ेंगी भारत की मुश्किलें? लगाए थे गंभीर आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपनी सरकार में हरमीत ढिल्लन को नागरिक अधिकारों के मामले में असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया था। ढिल्लन की ये नियुक्ति भारत की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। दरअसल हरमीत ढिल्लन ने बीते दिनों भारत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। हरमीत ढिल्लन ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश रचने के मामले में भारत पर अमेरिका में सिखों की हत्या के लिए मौत के दस्ते भेजने का आरोप लगाया था। अमेरिका में पन्नू मामले में अदालती सुनवाई चल रही है, ऐसे में अमेरिकी न्याय विभाग में हरमीत ढिल्लन की नियुक्ति भारत की परेशानी बढ़ा सकती है। हरमीत ढिल्लन (54 वर्षीय) ने बीते दिनों भारत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। ढिल्लन ने कहा था कि भारत अमेरिका में मौत के दस्ते भेज रहा है, जो उत्तरी अमेरिका में सिखों को निशाना बना रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।